शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 234 | गुवाहाटी | सोमवार, 30 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अमेरिका में नो किंग्स प्रदर्शन, ट्रंप की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर ... पेज 2
मन की बात में स्थिरता का भरोसा, वैश्विक चुनौतियों से निपटने को तैयार ... पेज 3
सपा को 2027 में भी रिजेक्ट करने को तैयार बैठी है यूपी की जनता : पंकज चौधरी पेज 5
भारतीय रिले टीमों का कमाल, नेशनल्स में रिकार्ड बनाकर वर्ल्ड रिले का टिकट... पेज 7

असम में भी लागू होगा यूसीसी चार शादियों पर लगेगा बैन : शाह

घुसपैठ रोकना पर्याप्त नहीं हर अवैध प्रवासी को भेजना होगा वापस

ढेकियाजुली/टिहू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि भाजपा सरकार ने असम में घुसपैठ रोक दी है, लेकिन यह *पर्याप्त नहीं* है और हर अवैध अप्रवासी को वापस भेजा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। उन्होंने कांग्रेस पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया और दावा किया कि जब पार्टी सत्ता में थी, तो उसने *वोट बैंक के लालच में* सीमाओं को खुला रखा, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी बदल गई। शोणितपुर जिले के ढेकियाजुली और नलबाड़ी के टिहू में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि हिमंत विश्व शर्मा सरकार ने घुसपैठियों द्वारा कब्जा की गई 1.25 लाख एकड़ जमीन को *मुक्त* कराया है। पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अगले पांच वर्षों में वह यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी भूमि उनके नियंत्रण में न रहे। शाह ने कहा कि 10 साल पहले भाजपा ने असम में घुसपैठ रोकने का वादा किया था और उस वादे को निभाया है। उन्होंने कहा कि हालांकि, यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि हमें अगले पांच वर्षों में प्रत्येक अवैध अप्रवासी को देश से बाहर भेजना होगा। टिहू में शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य में एक समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी, जिसका उद्देश्य किसी विशेष समुदाय में चार विवाहों पर प्रतिबंध लगाना है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पहले वादा किया था कि विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री बनने पर वे राज्य में यूसीसी (यूसीसी) लागू करेंगे। राज्य में बहुविवाह विरोधी विधेयक पारित हो चुका है, जिसके तहत इसे अपराध घोषित किया गया है और कुछ अपवादों को छोड़कर इसके लिए अधिकतम 10 वर्ष की कैद की सजा हो सकती है। उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने यूसीसी (बहुविवाह निषेध कानून) लागू किया है। चुनावी रैलियों में शाह ने आरोप लगाया कि घुसपैठियों ने स्वदेशी असमिया युवाओं की नौकरियां छीन ली हैं और गरीबों के अनाज पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कई राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन का विरोध करने का आरोप लगाया ताकि *घुसपैठियों को संरक्षण* दिया जा सके। उन्होंने कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। शाह ने दावा किया कि भारत का चुनाव आयोग मतदाता सूची से घुसपैठियों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहा है और कांग्रेस इसे रोकने की कोशिश कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लेकिन भाजपा सरकार उनमें से प्रत्येक का पता लगाएगी, मतदाता सूची से उनके नाम हटा देगी और उन्हें उस देश में वापस भेज देगी जहां से वे आए थे। शाह ने असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई पर घुसपैठियों को संरक्षण देने की इच्छा रखने का आरोप लगाया और उनसे इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने दावा किया कि कई वर्षों तक कांग्रेस ने घुसपैठियों के लिए सीमाएं खुली रखीं और वोट बैंक के -शेष पृष्ठ दो पर

असम में खड़गे ने जारी किए पांच चुनावी गारंटी, भाजपा पर किया तीखा हमला

लखीमपुर (हि.स.)। असम में चुनावी सरगर्मी के बीच कांग्रेस ने अपने अभियान को तेज करते हुए नाओबोइचा के खारकाटी (रंगनदी पुल के पास) में एक विशाल जनसभा आयोजित की। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विधानसभा चुनाव के लिए पांच प्रमुख गारंटी की घोषणा की और भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। सभा को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस हर महिला को व्यवसाय के लिए बिना शर्त 50 हजार की आर्थिक सहायता देगी, प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपए तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा, 10 लाख स्वदेशी लोगों को भूमि पट्टा दिया जाएगा, गायक जुबीन गर्ग से जुड़े मामले में 100 दिनों के भीतर न्याय सुनिश्चित किया जाएगा और वरिष्ठ नागरिकों को 1,250 रुपए मासिक पेंशन दी जाएगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

खड़गे के असम दौरे को लेकर मुख्यमंत्री ने साधा निशाना

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। असम विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के असम दौरे को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को तंज कसा। उन्होंने पार्टी के नेतृत्व चुनाव और खड़गे के पुराने रुख पर गंभीर सवाल उठाए। ज्ञात हो कि आज राज्य के पहाड़ी जिला कार्बी आंग्लांग के बोकाजान -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अखिल गोगोई से अगर पूछताछ की जाए तो वह महात्मा गांधी पर भी हत्या का आरोप लगा देंगे : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार, 29 मार्च को भाजपा के शिवसागर उम्मीदवार कुशल देउरी के खिलाफ अखिल गोगोई द्वारा लगाए गए आरोपों की कड़ी आलोचना की, गोगोई के दावों के आधार पर सवाल उठाया और उन पर राजनीतिक विरोधियों को बार-बार अपराधी करार देने का आरोप लगाया। दीफू में मीडिया को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि अखिल गोगोई की यह आदत है कि वह अपने खिलाफ चुनाव लड़ने वाले किसी भी व्यक्ति पर कई हत्याओं सहित गंभीर अपराधों का आरोप लगाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर गोगोई को इन कथित अपराधों की पूर्व जानकारी थी तो उसने कार्रवाई क्यों नहीं की। मुख्यमंत्री ने प्रणब बोड़ो की मृत्यु का मुद्दा भी उठाया और गोगोई की भूमिका और प्रतिक्रिया पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों में असम विधानसभा में इस मामले को नहीं उठाया गया। शर्मा ने पूछा कि गोगोई ने सार्वजनिक रूप से इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी क्यों नहीं की या घटना से संबंधित परिस्थितियों पर -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव की गहमागहमी के बीच गुवाहाटी में होने वाले आज के मैच पर मंडरा रहा है बारिश का खतरा

गुवाहाटी। असम में होने वाले बहुचर्चित विधानसभा चुनाव के बीच, गुवाहाटी में दो राष्ट्रीय जुनूनों - राजनीति और क्रिकेट - का एक दुर्लभ संगम देखने को मिलेगा। 30 मार्च को गुवाहाटी असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच एक महत्वपूर्ण आईपीएल मुकाबले की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो इस सीजन में गुवाहाटी में होने वाले तीन आईपीएल मैचों में से एक है। मतदान से कुछ ही दिन पहले होने वाले इस मैच में भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है, जिससे खेल का रोमांच पहले से ही तनावपूर्ण चुनावी माहौल में घुलमिल जाएगा। फिर भी, अनिश्चितता का भाव अभी भी बना हुआ है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, मौसम की स्थिति के कारण खेल की कार्यवाही बाधित हो सकती है, क्योंकि पूर्वानुमानों में मैच के दिन के आसपास असम में बारिश और गरज के साथ तूफान आने की संभावना जताई गई है। गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने इस अवधि के दौरान राज्य भर में कई स्थानों पर मध्यम वर्षा के साथ-साथ बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश होने की भविष्यवाणी की है। व्यापक -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

विद्या सबसे अनमोल धन है; इसके आने मात्र से ही सिर्फ अपना ही नहीं अपितु पूरे समाज का कल्याण होता है।

- **ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

न्यूज गैलरी

एचएसएलसी 2026 के नतीजे 10 अप्रैल को : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार, 29 मार्च को पुष्टि की कि हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) परीक्षा के परिणाम 10 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे। यह घोषणा शर्मा के चुनाव प्रचार कार्यक्रमों में से एक के दौरान की गई, जहां कई छात्रों ने -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफ कमर बाजवा की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सेना के पूर्व प्रमुख कमर जावेद बाजवा का सिर में गंभीर चोटें लगने के बाद निधन हो गया है। इनके परिवार के करीबियों की तरफ से इस बात की पुष्टि की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 65 साल के पूर्व जनरल को इस साल की शुरुआत में रावलपिंडी मिलिट्री हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उस समय वो अपने वॉशरूम में -शेष पृष्ठ दो पर

रास पहुंचे भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने विस से नहीं दिया इस्तीफा, मची हलचल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का इस्तीफा टल गया है। नितिन नवीन के इस्तीफे के लिए रविवार सुबह 8:40 का मुहूर्त तय किया गया था लेकिन अचानक वे दिल्ली लौट गए। बताया जा रहा है कि बिहार विधानसभा सचिवालय से इस तय समय का संदेश भी दिया गया और आखिरी वक्त में इस्तीफा टल गया। कहा गया कि कुछ कारणों से नीति नवीन आज बिहार विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं देंगे। गौरतलब है कि नितिन नवीन पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और -शेष पृष्ठ दो पर

मन की बात में पश्चिम एशिया क्राइसिस पर पीएम का राष्ट्र को संदेश

इस संकट को मिलकर हराएंगे

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघर्ष की वैश्विक स्थिति और ऊर्जा संकट पर चिंता जताते हुए रविवार को *मन की बात* कार्यक्रम से एक बार फिर देशवासियों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और एकजुटता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष के कारण पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। ऐसे समय में अफवाहों से दूर रहना और आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 132वें एपिसोड में आज उक्त बातें कहीं। उन्होंने खाड़ी देशों के संघर्ष के बीच वहां रह रहे भारतीयों को संभालने के लिए दिए सहयोग पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि दुनिया की ऊर्जा आवश्यकताएं इस क्षेत्र से जुड़ी हैं, जिससे मौजूदा संघर्ष का असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत अपने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का उपयोग कर स्थिति का सामना कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस विषय पर राजनीति करने से बचने की सलाह दी। -शेष पृष्ठ दो पर

मध्य गुवाहाटी में भाजपा प्रत्याशी विजय गुप्ता का घर-घर जनसंपर्क अभियान

गुवाहाटी (हि.स.)। मध्य गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार विजय गुप्ता ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रविवार को शांतिपुर हिलसाइड क्षेत्र में व्यापक घर-घर जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान गुप्ता ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनका समर्थन मांगा और पार्टी की विकास योजनाओं को साझा किया। अभियान के दौरान उन्हें जनता का उत्साहजनक स्वागत मिला, वहीं लोगों ने अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

असम निर्वाचन क्षेत्र की स्थिति

भाजपा उम्मीदवार के बदलाव से भड़के विद्रोह के बाद दिसपुर में त्रिपक्षीय मुकाबला

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा अप्रत्याशित रूप से उम्मीदवार बदलने के बाद पार्टी के भीतर विद्रोह भड़क उठा, जिससे दिसपुर में एक उच्च दांव वाला, त्रिकोणीय मुकाबला सामने आया है और असम की राजधानी की इस सीट पर एक भयंकर लड़ाई की स्थिति बन गई है। पिछले सप्ताह तक, यह माना जा रहा था कि मुकाबला भाजपा के मौजूदा विधायक अतुल बोरा और भाजपा की पूर्व नेता मीरा बरठाकुर गोस्वामी के बीच होगा, जो 2021 में कांग्रेस में शामिल हुई थीं। हालांकि, 19 मार्च को स्थिति बदल गई जब भाजपा ने अगले महीने होने वाले असम विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की। कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै, जो एक दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुए थे, को दिसपुर से टिकट दिया गया। इससे बोरा नाराज हो गए, जिन्होंने 1985 से पांच बार दिसपुर सीट का प्रतिनिधित्व किया है - तीन बार असम गण परिषद के उम्मीदवार के रूप में और दो बार भाजपा के लिए 2016 और 2021 में। 65 वर्षीय बोरा ने शुरू में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने या कांग्रेस के गोस्वामी का समर्थन करने की धमकी दी थी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व -शेष पृष्ठ दो पर

अपने निर्धारित मार्ग पर कायम रहेगा असम : डॉ. साहा

सिलचर। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने रविवार को भाजपा के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव को उजागर करते हुए, मजबूत स्थानीय समर्थन को व्यापक राष्ट्रीय परिदृश्य के साथ जोड़ा और विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी के सिलचर उम्मीदवार डॉ. राजदीप रॉय का दृढ़ता से समर्थन किया। सिलचर में चुनाव प्रचार करते हुए डॉ. साहा ने कहा कि राज्यों में भाजपा का लगातार बढ़ता प्रभाव मजबूत नेतृत्व और संगठनात्मक गहराई पर आधारित *शासन मॉडल* को दर्शाता है। डॉ. रॉय की एक प्रतिष्ठित डॉक्टर और पूर्व सांसद -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

अमेरिका में *नो किंग्स* प्रदर्शन, ट्रंप की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरे लाखों लोग

वाशिंगटन। मिडिल ईस्ट में जारी जंग ने दुनियाभर में हलचल मचा दिया है। जो हर दिन और भयानक होता जा रहा है। अमेरिका और इजराइल के भीषण हमलों के पलटवार में ईरान भी इजराइल और खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है। एक तरफ पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है, दूसरी ओर अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्ध नीति को लेकर लोगों ने सवाल खड़े होने लगे हैं। लोगों ने ट्रंप के खिलाफ *नो किंग्स* प्रदर्शन किया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार (स्थानीय समय) को अमेरिका भर में भारी भीड़ ने नो किंग्स प्रदर्शनों में भाग लिया और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों, बढ़ती महंगाई और ईरान के साथ जारी युद्ध के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन किया। सीएनएन के मुताबिक, ये प्रदर्शन पूरे देश में हुए, जिनमें प्रमुख शहरों में बड़े मार्च और उपनगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे समूह शामिल थे। ये प्रदर्शन पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों राज्यों में हुए। प्रदर्शनकारी नारे लगाते, तख्तियां लहराते और गायन-नृत्य जैसी सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते देखे गए। न्यूयॉर्क शहर में, प्रदर्शनकारियों ने मिडटाउन मैनहट्टन से मार्च किया और इमिग्रेशन इंफोर्समेंट, ट्रंप प्रशासन और ईरान के साथ संघर्ष का विरोध करने वाले बैनर लिए हुए थे। वहीं, सैन फ्रांसिस्को में, एम्बार्केडेरो प्लाजा में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए और सिविक सेंटर प्लाजा की ओर मार्च किया। उन्होंने अमेरिकी झंडे और यूक्रेन और ट्रांसजेंडर अधिकारों सहित विभिन्न मुद्दों का समर्थन करने वाले बैनर लहराए। सेंट पॉल, मिनेसोटा में एक बड़ी रैली आयोजित की गई, जिसमें रॉक लीजेंड ब्रूस स्प्रिंगस्टीन ने प्रस्तुति दी। उन्होंने मिनेसोटा को पूरे देश के लिए प्रेरणा बताया। उन्होंने एलेक्स प्रीटी और रेनी गुड को भी श्रद्धांजलि दी, जिनकी इस साल जनवरी में संघीय आव्रजन एजेंटों द्वारा हत्या कर दी गई थी। खबरों के अनुसार, स्प्रिंगस्टीन ने कहा कि आपकी ताकत और आपकी प्रतिबद्धता ने हमें बताया कि यह अभी भी अमेरिका है, और अमेरिकी शहरों पर ये आक्रमण बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। इस साल की शुरुआत में, मिनेसोटा के मिनियापोलिस में आव्रजन प्रवर्तन कार्रवाइयों के कारण एलेक्स प्रीटी और रेनी गुड की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद संघीय रणनीति के खिलाफ सार्वजनिक जांच तेज हो गई, जिससे ये घटनाएं ट्रंप प्रशासन द्वारा लागू आव्रजन नीति पर व्यापक राष्ट्रीय बहस का केंद्र बिंदु बन गई। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने भी अपने संबोधन में संघीय इमिग्रेशन कार्रवाइयों की कड़ी आलोचना की, प्रशासन पर आक्रामक प्रवर्तन उपायों को अपनाने का आरोप लगाया और निवासियों द्वारा अपने समुदायों के लिए खड़े होने की प्रशंसा की।

ईरान ने अब्राहम लिंकन को उड़ाने की दी धमकी

अलर्ट पर यूएस और इजरायल की सेनाएं

तेहरान। पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हालात बेहद नाजुक हो गए हैं। ईरान ने सीधी चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी नौसेना का जहाज *अब्राहम लिंकन* उनकी पहुंच में आया, तो वे उस पर हमला कर देंगे। खबरों के मुताबिक, ईरान ने अपने ड्रोन और मिसाइल हमलों को काफी तेज कर दिया है, जिससे पूरे इलाके में खतरे की घंटी बज गई है। ईरान लगातार इजरायल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। इसके जवाब में अमेरिका और इजरायल ने भी अपनी सैन्य कार्रवाई आक्रामक कर दी है। दोनों तरफ से बढ़ते हमलों ने इस क्षेत्र में शांति की उम्मीदों को कम कर दिया है और तनाव को एक खतरनाक स्तर पर पहुंचा दिया है। इस बढ़ते विवाद को देखते हुए सऊदी अरब, यूएई और कतर जैसे देशों ने अपनी सुरक्षा बढ़ा दी है। दुबई और दोहा जैसे बड़े शहरों में हवाई हमलों से बचने वाले *एयर डिफेंस सिस्टम* को एक्टिव कर दिया गया है, ताकि किसी भी अनहोनी को टाला जा सके। दुनिया के सबसे जरूरी तेल मार्ग *स्ट्रेट ऑफ होर्मुज* पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। अगर यहां युद्ध जैसे हालात बनते हैं, तो पूरी दुनिया में कच्चे तेल की सप्लाई रुक सकती है। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमतें बड़ेंगी और बैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान हो सकता है।

जयकारों के साथ निकली अहिंसा रैली मंदिरों में महाआरती

जयपुर (हिंस)। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को शहरभर में भक्ति व उत्साह का माहौल रहा। विभिन्न कालोनियों में प्रभातफेरियां निकाली गईं। वहीं मानसरोवर में अहिंसा वाहन रैली के दौरान भगवान महावीर के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। भादी जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन *कोटखावदा* ने बताया कि सूर्य नगर, तारों की कूट, दुर्गापुरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रभातफेरियां निकालकर महावीर स्वामी के *जीओ और जीने दो* के संदेश का प्रचार-प्रसार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए। मानसरोवर स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर (एसएफएस) से वरुण पथ के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर तक विशाल अहिंसा वाहन रैली निकाली गई। रैली थड़ी मार्केट, मीरा मार्ग और हीरा पथ होते हुए विभिन्न जैन मंदिरों से गुजरती हुई पुन: वरुण पथ पहुंची। जहां धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। इस दौरान 1008 दीपकों से भगवान महावीर की महाआरती की गई।

नेपाल में स्टूडेंट पॉलिटिक्स बैन 5वीं तक परीक्षा खत्म

काठमांडू (हि.स.)। सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को दलगत राजनीति से पूरी तरह मुक्त रखने के लिए विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के परिसर से दलगत छात्र संगठनों को पूरी तरह से हटाए जाने की घोषणा की है। सरकार ने *शासकीय सुधार के 100 बिंदु* कार्यसूची के माध्यम से शैक्षणिक संस्थानों में होने वाले राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त कर छात्रों की वास्तविक आवाज को स्थान देने के उद्देश्य से यह घोषणा की है। सरकार की इस योजना के अनुसार 60 दिनों के भीतर शैक्षणिक संस्थानों से दलगत आधार पर बने संगठनों के कार्यालय समेत दूसरी संरचनाओं को हटाया जाएगा। इसके साथ ही, छात्रों के अधिकार और भावनाओं का सही प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए आगामी 90 दिनों के भीतर *स्टूडेंट काउंसिल* या *वॉइस ऑफ स्टूडेंट* जैसे तंत्र विकसित किए जाएंगे। इसी प्रकार, शिक्षा क्षेत्र के समग्र सुधार के लिए सरकार ने स्नातक स्तर तक पढ़ाई के लिए नागरिकता की अनिवार्यता हटाने तथा विश्वविद्यालयों के परीक्षा परिणाम मंत्रालय द्वारा निर्धारित कैलेंडर के अनुसार समय पर प्रकाशित करने का निर्णय भी लिया है। आगामी शैक्षणिक सत्र से कक्षा 5 तक की आंतरिक परीक्षाओं को समाप्त कर वैकल्पिक मूल्यांकन प्रणाली लागू करने जैसी रणनीतिक योजनाएं एक साथ आगे बढ़ाई गई हैं। नेपाल सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि देशभर में विदेशी नामों से चल रहे शिक्षण संस्थानों को इस वर्ष से अपने विदेशी नाम हटा कर स्थानीय मौलिक नाम रखने का निर्देश दिया गया है।

राजग की बढ़ती लोकप्रियता केरल में बदलाव का संदेश : मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि केरल में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और यह राज्य में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में केरल में राजग की सरकार बनने पर तेज विकास होगा। केरल के पलक्कड़ में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने वाम दलों के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दोनों गठबंधनों को भ्रष्ट और सांप्रदायिक करार देते हुए कहा कि उनकी राजनीति केवल वोटबैंक तक सीमित है और उन्हें राज्य के विकास की चिंता नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ की नीतियां सिर्फ वोटबैंक पॉलिटिक्स पर आधारित हैं। मैं केरलम की जनता को विश्वस दिलाता हूं कि राजग की सरकार बनने पर राज्य का तेज विकास होगा। यह मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि केरलम लंबे समय से एलडीएफ और यूडीएफ के बीच फंसा हुआ है, लेकिन अब राज्य में बदलाव का माहौल बन रहा है। प्रधानमंत्री के अनुसार, राज्य के युवा, महिलाएं और किसान अब भाजपा और राजग के प्रति भरोसा जता रहे हैं, जो एक उभरते जनआंदोलन का रूप ले रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एलडीएफ और यूडीएफ के बीच *बी टीम* को लेकर चल रही बयानबाजी का जिक्र करते हुए कहा कि इससे साफ होता है कि दोनों ही गठबंधन भाजपा को एक मजबूत विकल्प मानने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दोनों दल एक-दूसरे के खिलाफ केवल बयान देते हैं, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं करते। राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल पर पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है, जो पिछले दस वर्षों में तीन गुना हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पैसा सही दिशा में खर्च नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य में राजग की सरकार बनने पर हर रुपए का हिसाब लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए केंद्र सरकार की नीतियों का उल्लेख किया और कहा कि सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। साथ ही, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विदेशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि केरल में पारंपरिक रूप से एलडीएफ और यूडीएफ के बीच ही सत्ता परिवर्तन होता रहा है, लेकिन भाजपा अब राज्य में तीसरे विकल्प के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

असम में भी लागू होगा ...

लालच में राज्य की जनसांख्यिकी को बदल दिया। उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों में असम और पश्चिम बंगाल से घुसपैठिए देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंच चुके हैं। शाह ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री शर्मा ने सीमा पार से राज्य में घुसपैठियों को प्रवेश करने से रोका था। असम आंदोलन के शहीदों के लिए कुछ भी न करने का आरोप कांग्रेस पर लगाते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार ने ही गुवाहाटी में शहीदों की याद में *शहीद स्मारक* स्थापित किया था। केंद्रीय गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल के दौरान देश की सुरक्षा के लिए कोई कदम नहीं उठाए, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। शाह ने कहा कि जब आतंकवादियों ने उरी में हमला किया, तो प्रधानमंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक का आदेश दिया; पुलवामा हमले के बाद बालाकोट हवाई हमला हुआ, और पहलगाम घटना के बाद, उन्होंने आतंकवादियों को सबक सिखाने के लिए *ऑपरेशन सिंदूर* का आदेश दिया। उन्होंने कांग्रेस पर *हमेशा असम विरोधी* होने का भी आरोप लगाया, जैसा कि भारत-चीन युद्ध के दौरान स्पष्ट था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने राज्य को उसके हाल पर छोड़ दिया था। शाह ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में कोई भी *माई का लाल* (कोई भी समझदार व्यक्ति) देश की एक इंच जमीन भी नहीं छीन सकता। केंद्रीय मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस असम की संस्कृति का सम्मान नहीं करती। असम के पहले मुख्यमंत्री गोपीनाथ बरदलै को पूरे देश में *लोकप्रिय* के रूप में जाना जाता है। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें भारत रत्न नहीं दिया क्योंकि उन्होंने नेहरू की उस योजना का विरोध किया था जिसमें राज्य को उस क्षेत्र के साथ पाकिस्तान को देने की बात कही गई थी जो अब बांग्लादेश में है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ही उन्हें (बरदलै को) देश का सर्वोच्च सम्मान दिया था। कांग्रेस ने भूपेन हजारिका को यह पुरस्कार देने से इनकार कर दिया था, और मोदी जी ने ही उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार ने उग्रवादी समूहों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करके राज्य में शांति स्थापित की और उग्रवाद को समाप्त किया। शाह ने आगे कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान राज्य में गोलीबारी और बम विस्फोट हुए, लेकिन भाजपा ने यह सुनिश्चित किया कि 10,000 युवाओं ने अपने हथियार डाल दिए और मुख्यधारा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 15 वर्षों तक राज्य पर शासन किया, लेकिन उन्होंने बोडोलैंड में समझौते पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किए? इसका जवाब सरल है: कांग्रेस की नीति लोगों को आपस में लड़वाकर उन पर शासन करना है, शाह ने कहा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने असम के विकास के लिए केंद्र सरकार के खजाने खोल दिए हैं। मैं गौरव गोगोई से पूछना चाहता हूं कि उनके पिता तरुण गोगोई ने राज्य के लिए क्या किया? तरुण गोगोई 2001 से 2016 तक लगातार तीन कार्यकालों के लिए असम के मुख्यमंत्री रहे। शाह ने लोगों से आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को वोट देने का आग्रह किया ताकि हिमंत विश्व शर्मा को फिर से मुख्यमंत्री बनाया जा सके और असम को घुसपैठियों से मुक्त बनाया जा सके तथा शांति और विकास सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने खराब मौसम के कारण मतदान स्थल पर तीन घंटे से अधिक की देरी से पहुंचने के लिए लोगों से माफी मांगी। उन्हें गुवाहाटी से हेलीकॉप्टर द्वारा ढेकियाजुली पहुंचना था। लेकिन खराब मौसम के कारण योजना रद्द कर दी गई और वे सड़क मार्ग से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। असम की 126 विधानसभा सीटों पर मतदान 9 अप्रैल को होगा। वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

असम में खड़गे ने जारी ...

अध्यक्ष ने कहा कि यह घोषणा पत्र जनता से व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर जनता के साथ विश्वसघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2021 का चुनाव सर्वानंद सोनोवाल के नाम पर लड़ा गया, लेकिन बाद में उनसे मुख्यमंत्री पद छीन लिया गया। हमला करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश और असम में *अली बाबा और चालीस चोर* की सरकार चल रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस में आगे बढ़ने के बाद अपने नेताओं, विशेषकर तरुण गोगोई के साथ विश्वसघात किया। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे विभाजनकारी राजनीति को नकारें और कांग्रेस के पक्ष में मतदान कर गौरव गोगोई के नेतृत्व में नई सरकार बनाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अन्य राज्यों में अपनी गारंटियों को सफलतापूर्वक लागू किया है। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने इस चुनाव को *असम को बचाने की लड़ाई* बताया और भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, भूमि घोटाले और कुशासन के आरोप लगाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासनिक बाधाओं के बावजूद रैली में भारी भीड़ उमड़ी, जो कांग्रेस के प्रति जनता के समर्थन को दर्शाती है। सांसद गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने तरुण गोगोई और सर्वानंद सोनोवाल दोनों के साथ विश्वसघात किया है। एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल को लेकर उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए दोनों दलों को एक ही सिक्के के दो पहलू बताया। असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने भी रैली को संबोधित करते हुए राज्य में बदलाव की लहर का दावा किया और कहा कि जनता पिछले 10 वर्षों के *धोखे* के लिए भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए तैयार है। कांग्रेस चुनाव पर्यवेक्षक बंटू तिर्की और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने की अपील की। रैली में विभिन्न जिलों से हजारों समर्थकों ने भाग लिया, जिससे चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस के बढ़ते जनसमर्थन का प्रदर्शन देखने को मिला।

खड़गे के असम दौरे ...

विधानसभा, डिफू विधानसभा, हावराघाट विधानसभा और आमरी विधानसभा क्षेत्र में कुल चार चुनावी विजय संकल्प सभाओं में मुख्यमंत्री ने हिस्सा लिया। सभाओं में उपस्थित लोगों की उपस्थिति को देखकर मुख्यमंत्री काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत पूरी तरह से सुनिश्चित है। इस दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने असम में खड़गे को प्रचार के मुख्य चेहरे के तौर पर पेश करके एक रणनीतिक गलती की है। मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि खड़गे को लाकर कांग्रेस ने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि खड़गे ने पहले असम के सांस्कृतिक प्रतीक भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिए जाने का विरोध किया था। डॉ. शर्मा ने यह भी कहा कि खड़गे ने असम में प्रस्तावित सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट की स्थापना का भी विरोध किया था। राज्य सरकार ने इस पहल को औद्योगिक और तकनीकी प्रगति की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। कांग्रेस पार्टी की प्रचार रणनीति पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या यह उस तरह का व्यक्ति है जिसे आप असम में स्टार प्रचारक बनाते हैं? मल्लिकार्जुन खड़गे रविवार को लखीमपुर में 9 अप्रैल को होने वाले असम विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र जारी करेंगे। इसके साथ ही पार्टी राज्य में अपना प्रचार अभियान तेज कर रही है। यह घोषणा जितेंद्र सिंह ने की, जिन्होंने चुनावों से पहले पार्टी की तैयारियों और रणनीति की रूपरेखा बताई।

अखिल गोगोई से अगर ...

स्पष्टीकरण क्यों नहीं दिया। जहां तक मुझे पता है, प्रणब बोड़ो की मौत के लिए अखिल गोगोई जिम्मेदार है। सभी जानते हैं कि गुवाहाटी के बीचोंबीच, केएमएसएस के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान बोड़ो ने खुद को आग लगा ली। वह पिछली रात से ही इस तरह के चरम कदम के लिए तैयार था, शर्मा ने कहा। मुख्यमंत्री ने पिछले पांच वर्षों में असम विधानसभा में बोड़ो की मौत का मुद्दा न उठाने के लिए गोगोई की आलोचना करते हुए इस मामले पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया। शर्मा ने भाजपा उम्मीदवार कुशल देउरी का बचाव करते हुए कहा कि वह पहली बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं और इससे पहले दो बार डेमो से विधायक चुने जा चुके हैं। उन्होंने तर्क दिया कि देउरी की आलोचना करना मतदाताओं के विवेक पर सवाल उठाने के समान है। कुशल देउरी पहली बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। डेमो के लोगों ने उन्हें दो बार विधायक चुना है। अगर अखिल गोगोई अब उन्हें अयोग्य बताते हैं या उनकी आलोचना करते हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि डेमो के लोगों ने गलत चुनाव किया? शर्मा ने कहा। अपने बयान में, शर्मा ने गोगोई पर असम में पहले हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान युवाओं को प्रभावित करने का आरोप लगाया, और कहा कि ऐसे आंदोलनों ने टायर जलाने और रेलवे के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने सहित विघटनकारी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया। अपनी आलोचना जारी रखते हुए शर्मा ने कहा कि गोगोई अक्सर दूसरों पर आरोप लगाते हैं जबकि अपने कार्यों की जांच से बचते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस तरह का रवैया राज्य के मतदाताओं को पसंद आएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी टिप्पणी की कि गोगोई किसी भी तरफ से आने वाली आलोचना को खारिज करते हैं, और कहा कि अगर कोई भी उनसे सवाल करता है तो वह व्यापक रूप से सम्मानित हस्तियों का भी जवाब देंगे।

चुनाव की गहमागहमी ...

क्षेत्रीय पूर्वानुमान भी असम के अधिकांश हिस्सों में मध्यम वर्षा और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना के साथ-साथ अगले कुछ दिनों में गरज के साथ तूफान आने की संभावना की ओर इशारा करता है। गुवाहाटी के लिए मौसम पूर्वानुमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने से लेकर आम तौर पर बादल छाए रहने और बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का संकेत देता है, ऐसी स्थितियां खेल को प्रभावित कर सकती हैं यदि शाम होते-होते मौसम प्रणाली तीव्र हो जाती है। पूर्वोत्तर भारत और आसपास के क्षेत्रों में मौजूद कई ऊपरी-वायु चक्रवाती परिसंचरणों से मौसम का मिजाज प्रभावित हो रहा है, जिसके कारण हाल के दिनों में असम में हल्की से मध्यम बारिश हुई है। अनिश्चितता के बावजूद, क्रिकेट प्रशंसकों में उत्साह चरम पर है, जिनमें से कई लंबे अंतराल के बाद शहर में शीर्ष स्तरीय मुकाबले देखने के लिए उत्सुक हैं। राजस्थान रॉयल्स द्वारा बारसापारा स्टेडियम को अपना दूसरा घर बनाने के बाद से यह आईपीएल का एक प्रमुख स्थल बनकर उभरा है और यहां भारी भीड़ उमड़ती है। चाहे यह मुकाबला रोशनी में हो या बादलों के बीच, 30 मार्च को गुवाहाटी खेल के रोमांच और राजनीतिक तीव्रता के संगम पर पहुंचने वाला है।

रास पहुंचे भाजपा अध्यक्ष...

16 मार्च को वह राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। उनके साथ ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। नितिन नवीन के इस्तीफे को लेकर जहां सस्पेंस बना हुआ है, वहीं एनडीए की स्थिति को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। रविवार को बिहार विधानसभा में इस्तीफे की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए विशेष तैयारी की गई थी। आमतौर पर छुट्टी रहने के बावजूद विधानसभा को खोला गया। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार भी दिल्ली से पटना लौटकर सुबह से मौजूद थे। बिहार विधानसभा की नियमावली के अनुसार, यदि कोई विधायक राज्यसभा या विधान परिषद के लिए निर्वाचित होता है तो उसे 14 दिनों के भीतर विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना अनिवार्य होता है। विधानसभा की नियमावली के अनुसार सदस्य को अपना इस्तीफा विधानसभा सचिवालय को सशरीर उपस्थित होकर देना होता है। गौरतलब है कि 16 मार्च को नीतीश कुमार, नितिन नवीन, उपेंद्र कुशवाहा और रामनाथ ठाकुर राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। ऐसे में 30 मार्च को इस्तीफा देने की अंतिम तिथि मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि किसी इमरजेंसी के कारण बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असम रवाना हो गए। अब जल्द ही जो तारीख निर्धारित होगी, उसमें इस्तीफा होगा। फिलहाल, नितिन नवीन से ज्यादा नीतीश कुमार के इस्तीफे को लेकर राजनीतिक हलकों में उत्सुकता बनी हुई है। इस विषय पर चर्चा जारी है और सभी की नजरें आने वाले 24 घंटों पर टिकी हैं। अब एक सियासी चर्चा इस बात की भी हो रही है कि राज्यसभा निर्वाचन का अबतक गजट जारी नहीं हुआ है। लिहाजा गजट जारी होने के बाद इस्तीफा का समय तय होगा।

इस संकट को...

उन्होंने कहा कि यह 140 करोड़ लोगों से जुड़ा मुद्दा है और इसमें स्वार्थ की राजनीति का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को देश के लिए हानिकारक बताया और नागरिकों से अपील की कि वे केवल सरकारी जानकारी पर भरोसा करें। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे कई देशों में ईंधन संकट की स्थिति बनी है। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश की पांडुलिपि धरोहर के संरक्षण में जनभागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि *ज्ञान भारतम्* पहल के तहत पांडुलिपियों का संरक्षण और उनसे जुड़ी जानकारी एकत्र की जा रही है। इसके लिए एक ऐप भी विकसित किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने पास सुरक्षित पांडुलिपियों की जानकारी साझा करें। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में देश में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह और उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने आईसीसी टी-20 विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम की जीत और रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक उपलब्धि की चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश के एथलीट कुलवीर सिंह की उपलब्धि का जिक्र किया, जिन्होंने न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन में तीसरा स्थान प्राप्त किया। वह एक घंटे से कम समय में हाफ मैराथन पूरा करने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने अनाहत सिंह द्वारा स्क्वैश ऑन फायर ओपन जीतने और 8 मार्च को *अस्मिता* महिला लीग के आयोजन का भी उल्लेख किया और कहा कि देश में नारी शक्ति खेलों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मध्य गुवाहाटी में भाजपा ...

समस्याएं और अपेक्षाएं भी उनके सामने रखीं। विजय गुप्ता ने कहा कि जनता से मिले अपार स्नेह और आशीर्वाद से वे अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि लोगों का उन पर भरोसा और भाजपा की जीत के प्रति उत्साह उन्हें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित कर रहा है। उन्होंने क्षेत्र के समग्र विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करने का आश्वासन देते हुए कहा कि जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।.

अपने निर्धारित मार्ग ...

के रूप में साख पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने पहले ही उनके नेतृत्व का परीक्षण कर लिया है और अब उनके पास विकास को और गति देने का अवसर है। डॉ. साहा ने हाल के वर्षों में सिलचर में हुई स्पष्ट प्रगति को स्वीकार करते हुए, असम भर में हुए विकास का श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को दिया और इसमें और अधिक तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में सिलचर एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र के रूप में उभर सकता है, उन्होंने इस चुनाव को स्थानीय विकास के जनादेश और भाजपा की व्यापक राजनीतिक गति के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया। मतदाताओं से पार्टी के पीछे एकजुट होने का आग्रह करते हुए, साहा ने डॉ. रॉय के पक्ष में निर्णायक जनादेश की मांग की और सिलचर के भविष्य के विकास को भाजपा के व्यापक विस्तारवादी दृष्टिकोण से जोड़ा। भाजपा सरकारों के शपथ ग्रहण समारोहों में भाग लेने के अपने अनुभव का हवाला देते हुए, उन्होंने राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से दिल्ली और ओडिशा तक पार्टी के विस्तार की ओर इशारा करते हुए कहा कि असम इसी राह पर आगे बढ़ता रहेगा और पश्चिम बंगाल भाजपा के पदचिह्न स्थापित करने वाला अगला राज्य होगा। तृणमूल कांग्रेस पर अपना हमला तेज करते हुए डॉ. साहा ने आरोप लगाया कि पार्टी सीपीआई (एम) की *कार्बन कॉपी* बन गई है, हालांकि इसकी रणनीति अधिक *आक्रामक* है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक धाराएं बदल रही हैं, जो भाजपा के लिए बढ़ते अवसर का संकेत दे रही हैं। एक व्यापक राजनीतिक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए भी, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने अपने अभियान को सिलचर के स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित किया और डॉ. राजदीप रॉय को एक *कुशल और ईमानदार नेता* बताया।

भाजपा उम्मीदवार के ...

शर्मा के उनके आवास पर जाने के बाद अंततः उन्हें शांत किया गया, हालांकि उन्होंने भाजपा में नए शामिल हुए प्रद्युत बरदलै के लिए प्रचार करने पर आपत्ति जताई। बोरा अंततः मान गए, लेकिन भाजपा के एक अन्य नेता, जयंत दास—जो तीन दशकों से अधिक समय से निष्क्रिय थे—ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया। संबित पात्रा सहित वरिष्ठ नेताओं द्वारा उन्हें अपना इरादा बदलने के लिए मनाने के प्रयास विफल रहे, और शुक्रवार को दास को भाजपा से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया। इसके साथ ही, दिसपुर का मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है, जिसमें मीरा बरठाकुर गोस्वामी (कांग्रेस), प्रद्युत बरदलै (भाजपा) और जयंत दास (निर्दलीय) एक-दूसरे से आगे निकलने के लिए मतदाताओं का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मुझे दिसपुर का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। लेकिन यह ईश्वर की इच्छा और भाजपा नेतृत्व की अपील है कि मैं आज आपके सामने उपस्थित हूं। मैं इस समय यह आश्वासन नहीं दे सकता कि मैं आपकी सभी समस्याओं का समाधान कर दूंगा, लेकिन मैं यह आश्वासन दे सकता हूं कि मेरी सबसे बड़ी पूंजी मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के प्रति मेरी ईमानदारी है। इसलिए, मैं आपका आशीर्वाद चाहता हूं, बरदलै ने शनिवार को एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा। दूसरी ओर, शनिवार सुबह शहर में हुई भारी बारिश से सबक लेते हुए, कांग्रेस की गोस्वामी ने हाटीगांव, सर्वे और रुक्मिणीगांव जैसे जलमग्न क्षेत्रों का दौरा किया और सरकार पर इस महत्वपूर्ण समस्या का समाधान न करने का आरोप लगाया। बरदलै, गोस्वामी और दास के अलावा, दिसपुर में दो अन्य उम्मीदवार मैदान में हैं: आम आदमी पार्टी से बल्लभ पात्रा और आयुष कुमार सिंह (स्वतंत्र)।

एचएसएलसी 2026 के नतीजे ...

परिणाम प्रकाशित होने की संभावित तिथि के बारे में पूछा। उनकी चिंताओं को दूर करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि परिणाम निर्धारित तिथि पर जारी किए जाएंगे। असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित एचएसएलसी परीक्षाएं 10 फरवरी से 27 फरवरी, 2026 तक राज्य के विभिन्न केंद्रों में आयोजित की गईं । हालांकि अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि परिणाम कैसे साझा किए जाएंगे, लेकिन आमतौर पर इन्हें आधिकारिक वेबसाइटों और असम भर में नामित केंद्रों पर प्रकाशित किया जाता है। इस घोषणा पर छात्रों और अभिभावकों द्वारा बारीकी से नजर रखी जा रही है, क्योंकि एचएसएलसी के परिणाम राज्य भर के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रवेश निर्धारित करते हैं।

पाकिस्तान के पूर्व ...

फिसलकर गिर गए थे। फरवरी 2026 में हुई इस घटना की वजह से उनके सिर में काफी ज्यादा चोट लग गई थी। फरवरी महीने में सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो मैसेज में पूर्व सेना प्रमुख के जीजा, नईम घुम्मन ने बताया कि बाजवा नंगे पैर थे। बाथरूम में उनका पैर फिसला और उनके सिर में चोट लग गई ।उस समय उन्होंने बताया था कि मेडिकल जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध सामने नहीं आया और सभी जरूरी टेस्ट किए गए। उस समय की स्थिति को बताते हुए घुम्मन ने कहा था कि पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख अब 100 प्रतिशत खतरे से बाहर हैं। हॉस्पिटल और परिवार के सूत्रों ने पहले ही पुष्टि कर दी थी कि गिरने के तुरंत बाद उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया था। भर्ती होने के कुछ ही समय बाद डॉक्टरों ने उनकी एक बड़ी सर्जरी की। इसके बाद उन्हें इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में कड़ी निगरानी में रखा गया था। उस समय, हॉस्पिटल के अधिकारियों ने कहा था कि सर्जरी सफल रही, लेकिन उनकी रिकवरी इस बात पर निर्भर करेगी कि आने वाले दिनों में उनकी हालत में कितना सुधार होता है। चोट की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल टीमें उनकी कड़ी निगरानी कर रही थीं। बाजवा ने 2016 से 2022 तक पाकिस्तान के सेना प्रमुख के रूप में कार्य किया। 2019 में उनके कार्यकाल को बढ़ाया गया था। 2022 के आखिर में रिटायर होने के बाद से बाजवा ज्यादातर लोगों की नजरों से दूर ही रहे हैं।

ढेकियाजुली, टिहू और नलबाड़ी में अमित शाह करेंगे चुनाव प्रचार

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज असम के ढेकियाजुली, टिहू और नलबाड़ी में चुनाव प्रचार करेंगे। भाजपा के चुनाव प्रचार को गति देने के लिए शाह दो दिवसीय दौरे पर शनिवार शाम गुवाहाटी पहुंचे थे। उन्होंने शनिवार को गुवाहाटी में भव्य रोड शो किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी देखने को मिली। इस रोड शो ने चुनावी माहौल को और अधिक गति दे दिया। शाह आज टिहू में चुनाव प्रचार करेंगे, जहां वे जनसभा को संबोधित करने के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं से भी संवाद करेंगे। आज वे असम सरकार के मंत्री तथा भाजपा प्रत्याशी जयंतमल्ल बरुवा, चंद्रमोहन पटवारी तथा अशोक सिंघल के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। गृहमंत्री के कार्यक्रमों की व्यापक पैमाने पर तैयारी की गई है। गृहमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर राज्य में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

मन की बात में स्थिरता का भरोसा, वैश्विक चुनौतियों से निपटने को तैयार भारत : नितिन नवीन

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* के 132वें एपिसोड को सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि वैश्विक तनावों के बावजूद भारत पूरी तरह स्थिर है और किसी भी उभरती चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से जनता से अपील की है कि घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि भारत के विभिन्न देशों के साथ मजबूत

कूटनीतिक संबंधों के कारण स्थिति सामान्य बनी हुई है। उन्होंने जानकारी दी कि 20 से अधिक तेल और गैस ले जाने वाले जहाज सुरक्षित रूप से भारत पहुंच चुके हैं, जबकि कई अन्य रास्ते में हैं, जिससे देश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है। उन्होंने यह भी कहा कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित सऊदी अरब, यूएई, कतर और फ्रांस जैसे देशों के नेताओं के संपर्क में हैं, ताकि वैश्विक स्थिति पर नजर रखी जा सके और भारत के हितों की रक्षा की जा सके। प्रधानमंत्री ने देश में पर्याप्त ईंधन भंडार होने की बात दोहराते हुए कहा कि सरकार किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही, उन्होंने लोगों से अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं से दूर रहने की अपील की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने खेल क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर की क्रिकेट टीम को लंबे अंतराल के बाद रणजी ट्रॉफी जीतने पर बधाई दी। उन्होंने नगालैंड के पारंपरिक *मोरुंग* शिक्षा मॉडल और मणिपुर में पीएम सूर्य घर योजना के तहत हो रहे विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। नितिन नवीन के अनुसार, असम में 25 हजार से अधिक बूथों पर लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुना।

अमित शाह ने असम चुनाव पर नेताओं से चर्चा की

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार रात असम दौरे के दौरान राज्य भाजपा मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति पर चर्चा की गई। शाह असम विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार को गति देने के उद्देश्य से शाह राज्य में पहुंचे हैं। यहां पहुंचते ही उन्होंने मध्य गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। इसके साथ ही उन्होंने आर्य विद्यापीठ कॉलेज से नेपाली मंदिर तक आयोजित एक रैली में भी भाग लिया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। रैली के बाद शाह ने राज्य भाजपा कार्यालय में आयोजित अहम बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा, सह-प्रभारी दर्शना जरदोश, प्रदेश प्रभारी हरीश द्विवेदी तथा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं सांसद प्रदान बरुवा सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में चुनाव प्रचार की प्रगति की समीक्षा की गई और आगामी चुनाव में भाजपा गठबंधन की मजबूत जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति तय की गई।

हेरोइन समेत दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर की दिसपुर पुलिस ने हेरोइन समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर.दिसपुर पुलिस स्टेशन की ईजीपीडी टीम ने एक किराए के मकान पर छापा मारा। अभियान के दौरान नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। हेरोइन की तस्करी मामले में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान राजू अली (33) और अनवर हुसैन (32) के रूप में की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से हेरोइन से भरे 33 प्लास्टिक कंटेनर, 14 खाली कंटेनर, 6 मोबाइल हैंडसेट ओर 68,574 रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूसीरे की आरपीएफ ने मार्च में बड़ी कार्रवाई कर यात्रियों की सुरक्षा की मजबूत

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मार्च माह के दौरान अपने क्षेत्राधिकार में गुवाहाटी, न्यू जलपाईगुड़ी, आलुआबाड़ी, कामाख्या, होजाई, अगरतला, समसी और न्यू बंगाईगांव रेलवे स्टेशनों तथा ट्रेनों पर श्रृंखलाबद्ध सफल कार्रवाई कर सतर्कता और कार्रवाई दक्षता का परिचय दिया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने रविवार को बताया कि गुवाहाटी की आरपीएफ टीम ने 24 मार्च को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 15933 डाउन से एक नाबालिग लड़के को रेस्क्यू किया और उसे रेलवे चाइल्ड लाइन के माध्यम से बाल कल्याण समिति को देखभाल के लिए सुरक्षित रूप से सौंप दिया। एक अन्य महत्वपूर्ण अभियान में, कटिहार आरपीएफ की सीआईबी टीम ने समसी रेलवे स्टेशन पर एक दलाल को 61,700 रुपए से अधिक मूल्य के 14 अवैध ई-टिकटों के साथ पकड़ा, जिससे अवैध टिकटिंग गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई हुई। आरपीए की टीमों ने गांजा और शराब सहित प्रतिबंधित वस्तुएं भी बरामद कीं तथा अवैध हथियार रखने और नशाखोरी के एक मामले में शामिल आरोपियों को भी गिरफ्तार किया। मार्च माह में 26 तक, पूसीरे की आरपीएफ ने विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में सघन और सक्रिय प्रवर्तन कार्रवाई की, जिससे उल्लेखनीय परिणाम सामने आए। कुल 268.82 किलो गांजा सहित सिगरेट, कफ सिरप, हेरोइन, 1,200 किलो अफीम के बीज और शराब बरामद किए। जब्त सामग्रियों की कीमत 1.91 करोड़ से अधिक है। इन अभियानों के दौरान, 37 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। इसके अतिरिक्त, एक मामले में 7.60, लाख नकद बरामद किए गए। हथियार और गोला-बारूद से संबंधित मामलों में एक पिस्तौल, दो मैगजीन और दो जिंदा कारतूस जब्त किए गए। चोरी से जुड़े मामलों में, 8 अपराधियों को हिरासत में लिया गया और उनलोगों के पास से 7 मोबाइल फ़ोन और एक ट्रॉली बैग बरामद किया गया, जिनकी कीमत करीब 86,000 रुपए है।

लखीमपुर में कांग्रेस प्रत्याशी के बयान से विवाद

लखीमपुर (हिंस)। असम में जारी चुनावी प्रचार के बीच कांग्रेस प्रत्याशी घन बुढ़ागोहाई के एक बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कथित रूप से कहा कि *अगर कांग्रेस की सरकार आती है, तो मियां लोगों को कोई भी बेदखल नहीं कर सकेगा,* जिस पर विभिन्न पक्षों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। विपक्षी दलों ने इस बयान को मतदाताओं के ध्रुवीकरण की कोशिश बताते हुए आरोप लगाया है कि यह स्थानीय और असमिया समुदाय की भावनाओं की अनदेखी करता है। आलोचकों का कहना है कि चुनावी माहौल में इस तरह के बयान देकर विशेष समुदाय को साधने का प्रयास किया जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस प्रकार के बयान से क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है, खासकर जब चुनावी गतिविधियां चरम पर हैं। वहीं, विरोधी दलों ने इस टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए इसे गैर-जिम्मेदाराना और विभाजनकारी बताया है। इस मामले पर कांग्रेस पार्टी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बिश्वनाथ पहुंचे कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह भाजपा और *जय भारत पार्टी* पर साधा निशाना

बिश्वनाथ (हिंस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जितेंद्र सिंह शनिवार को बिश्वनाथ पहुंचे और भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ नवगठित जय भारत पार्टी पर तीखा हमला बोला। मीडिया से बातचीत के दौरान सिंह ने कहा कि पूरे असम में लोग 9 अप्रैल का इंतजार कर रहे हैं और बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार भ्रष्टाचार, सिंडिकेट राज और विभाजनकारी राजनीति से ग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा माहौल सदिया से धुबड़ी तक देखने को मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि हर सरकार को पांच वर्षों के कार्यकाल का हिसाब जनता को देना चाहिए, लेकिन मौजूदा सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। बिश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र के संदर्भ में सिंह ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार जयंत बोरा को जनता अच्छी तरह जानती और पसंद

करती है। उन्होंने उनके प्रतिद्वंद्वी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जनता उनकी कार्यशैली और व्यवहार से भली-भांति परिचित है। सिंह ने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में जनता कांग्रेस के पक्ष में मतदान करेगी और एक *नए असम* के निर्माण में योगदान देगी। जय भारत पार्टी के मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिंह ने कहा कि इस पार्टी का कोई वास्तविक अस्तित्व नहीं है, न ही यह पंजीकृत है और न ही इसका कोई चुनाव चिह्न है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस पार्टी की आर्थिक व्यवस्था में भारतीय जनता पार्टी की संलिप्तता हो सकती है।

अनुशासनहीनता पर कांग्रेस के 15 कार्यकर्ता छह वर्षों के लिए निष्कासित

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने पार्टी अनुशासन के उल्लंघन और कथित तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में 15 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तत्काल प्रभाव से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई एपीसीसी अध्यक्ष गौरव गोगोई के निर्देश पर की गई है। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों और अनुशासन के विरुद्ध कार्य करते पाए गए, जिसके चलते उनके खिलाफ सख्त कदम उठाया गया है। निष्कासित किए गए कार्यकर्ताओं में तिताबर के भास्कर ज्योति बरुवा, गौरीपुर के अबुल मियां, चेंगा के आफतादुर अली खान, उधरबंद के तपन दास, काटिगोरा के संदीप दास, बरखोला के जहुरुल इस्लाम बरभुइयां, करीमगंज साउथ के अजीज अहमद खान, रामकृष्ण नगर (एससी) के डॉ. अनुप कुमार दास, बोको-छयगांव की लाबन्या बोरो, डिमोरिया (एससी) के नितुल दास, रंगापारा के गिरिंद्र कुमार भुइयां, तेजपुर की पल्लवी सैकिया, राहा (एससी) के मुकुट दास, खोवांग के बीजू दोवराह तथा दलगांव के आयनुल हक शामिल हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय संगठन में अनुशासन बनाए रखने और पार्टी विरोधी गतिविधियों पर सख्त रुख अपनाने के उद्देश्य से लिया गया है।

असम की बदलती जनसंख्या संरचना पर विशेष व्याख्यान आयोजित

गुवाहाश्वी (हिंस)। गुवाहाश्वी के भरलुमुख स्थित आलोक भवन के संघ साधक मधुकर लिमये सभागार में रविवार अपराह्न पूर्वोत्तर भारत अध्ययन समूह की पहल पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय *असम की बदलती जनसंख्या संरचना : अवैध घुसपैठ और सुरक्षा, समाज तथा सांस्कृतिक पहचान पर उसका प्रभाव* रखा गया था। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में मुंबई स्थित इंश्वरनेशनल इंस्श्वीश्व्यूश्व ऑफ पॉपुलेशन साइंसेज की जनस्वास्थ्य एवं मृत्यु दर विशेषज्ञ प्रोफेसर नंदिता सैकिया उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन अध्ययन समूह की सदस्य अरूपा बरठाकुर ने किया। अपने संबोधन में प्रोफेसर सैकिया ने असम की जनसंख्या संरचना में हो रहे बदलावों के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से राज्य में अवैध प्रवासन के इतिहास, वर्तमान में घुसपैठ के अनुमानित आंकड़ों, इसके स्थापित होने की प्रक्रिया, सामाजिक प्रभाव, संभावित खतरों और असमिया समाज की भूमिका जैसे विषयों पर तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से असम प्रवासियों का प्रदेश रहा है और स्वतंत्रता पूर्व काल से लेकर वर्तमान समय तक यहां प्रवासन के कारणों और प्रक्रियाओं ने व्यापक असर डाला है। उन्होंने यह भी स्पष्श्व किया कि यह समस्या केवल असम या पूर्वोत्तर क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका संबंध देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और विभिन्न समुदायों की सांस्कृतिक पहचान से भी जुड़ा हुआ है। प्रोफेसर सैकिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि अवैध घुसपैठ के कारण राज्य में सामाजिक और सांस्कृतिक असंतुलन उत्पन्न हो रहा है तथा स्थानीय भाषा और संस्कृति पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए शुद्ध एनआरसी की आवश्यकता पर जोर देते हुए सरकार और नागरिक समाज की सक्रिय भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के अंत में गौहाश्वी विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की प्रमुख प्रोफेसर कल्पना बोरा ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि अध्ययन समूह के सदस्य चिन्मय किशोर ने शांति मंत्र का पाठ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे।

ढेकियाजुली में भाजपा की जीत तय कांग्रेस अप्रासंगिक : अशोक सिंघल

शोणितपुर (हिंस)। भाजपा उम्मीदवार एवं राज्य के मंत्री अशोक सिंघल ने रविवार को ढेकियाजुली विधानसभा क्षेत्र से पार्टी की जीत का विश्वास जताते हुए कहा कि भाजपा को किसी भी प्रकार का डर नहीं है। चुनावी अभियान के दौरान समर्थकों को संबोधित करते हुए सिंघल ने कहा कि क्षेत्र में भाजपा की स्थिति मजबूत है और पार्टी निश्चित रूप से जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि विकास आधारित नीतियों और जनता से सीधा जुड़ाव ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए सिंघल ने कहा कि असम की राजनीति में कांग्रेस अब अप्रासंगिक हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने जनता का विश्वास खो दिया है और वह भाजपा के सामने कोई गंभीर चुनौती पेश करने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने मतदाताओं से क्षेत्र के निरंतर विकास और स्थिरता के लिए भाजपा का समर्थन जारी रखने की अपील भी की।

एकता का झलक : बिश्वनाथ में भोजपुरी समुदाय का पूंजीगत धन व्यय से 300 मीटर की सड़क का निर्माण कार्य शुरू

बिश्वनाथ (विभास)। बिश्वनाथ के भोजपुरी समुदाय ने सरकारी अनुदान की प्रतीक्षा किए बिना सामाजिक जिम्मेदारी का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह समुदाय अपने खर्च पर लगभग 300 मीटर लंबी सड़क का निर्माण करने जा रहा है। आज बौ बाजार में शिव मंदिर के सामने से सजे हुए केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा घाट तक जाने वाली सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। यह पहल केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के सहयोग से की गई है और इसकी शुरुआत भोजपुरी समाज द्वारा की गई है। स्थानीय निवासी व समाजसेवी विप्लव लोध ने सड़क के लिए अपनी लगभग डेढ़ कट्ठा जमीन दान की और इस महान कार्य में विशेष राजा सहयोग दिया। साथ ही राजा हुसैन ने भी इस महत कार्य में विशेष सहायता प्रदान की और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सुंदर संदेश भेजा। इस सड़क का उद्घाटन केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के सलाहकार सूर्य नारायण पांडे, अध्यक्ष बलबीर रय, कार्यकारी अध्यक्ष लब रौनियार, सह सचिव अनील शाह और कोषाध्यक्ष कमलेश रौनियार ने किया। इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता प्रभुनाथ सिंह, गैसर प्रसाद गुप्ता, शिक्षक सत्य प्रकाश गुप्ता, संतोष कुमार महातो और स्थानीय लोग भी उपस्थित होकर इस प्रयास की प्रशंसा की। जनता के इस स्वतंत्र प्रयास ने यह साबित कर दिया कि यदि एकता और इच्छाशक्ति हो तो समाज के विकास के लिए केवल सरकार की ओर देखने की आवश्यकता नहीं है।

असम में चुनाव ड्यूटी पर तैनात बिहार पुलिस के कांस्टैबल की जोगीघोपा में मौत

बंगाईगांव (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव-2026 के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस कांस्टैबल की रविवार को अचानक मौत हो गई। यह घटना बंगाईगांव जिले के जोगीघोपा इलाके की है, जहां वह चुनावी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात थे। मृतक की पहचान बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बीएसएपी) की 60वीं बटालियन के कांस्टैबल दयानिधी सिंह के रूप में हुई है। उन्हें असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा ड्यूटी के लिए राज्य में भेजा गया था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, कांस्टैबल दयानिधी सिंह जोगीघोपा स्थित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब में बनाए गए अस्थायी पुलिस कैंप में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। स्थिति गंभीर होने पर उन्हें तुरंत चपातला

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने भी इसकी पुष्टि की है। फिलहाल मौत के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है। आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए बंगाईगांव सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों द्वारा मामले की जांच की जा रही है, ताकि मौत के कारणों का पता लगाया जा सके।

कोई टाइमर, कोई रैंकिंग नहीं : गुवाहाटी का *जूनियर सर्किट* बच्चों की रेस को दे रहा है नया रूप

गुवाहाटी। पारंपरिक रेस प्रारूपों से हटकर एक नई पहल के तहत, गुवाहाटी ने रविवार को आर्य कॉलेज खेल मैदान में अपनी पहली बच्चों की ऑब्स्टेकल रेस *जूनियर सर्किट* का आयोजन किया, जिसमें बच्चों और अभिभावकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। हाउस ऑफ प्ले के सहयोग से कल्चर क्लब-प्रीस्कूल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 3 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। यह एक गैर-प्रतिस्पर्धी प्रारूप में आयोजित किया गया, जिसमें रैंकिंग या समय सीमा के बजाय भागीदारी, शारीरिक गतिविधि और अभिभावक-बच्चों की सहभागिता को प्राथमिकता दी गई। पहले संस्करण में 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिनमें लगभग 250 बच्चे और करीब 300 अभिभावक शामिल थे, जो अनुभवात्मक और परिवार-केंद्रित आउटडोर गतिविधियों के प्रति समुदाय की मजबूत रुचि को दर्शाता है। अपने पहले ही आयोजन में इतनी बड़ी भागीदारी इस बात का संकेत है कि शहर में ऐसे प्रारूपों के प्रति स्पष्ट उत्साह और मांग मौजूद है। लगभग 1 किलोमीटर लंबे इस ट्रैक में 15 विशेष रूप से तैयार किए गए अवरोध शामिल थे, जिनमें क्रॉलिंग टनल, बैलेंस बीम और कार्गो नेट जैसी चुनौतियां शामिल थीं। इसकी एक प्रमुख विशेषता अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी रही, जिसने इस रेस को केवल दर्शकों का कार्यक्रम न बनाकर एक साझा और ऊर्जावान अनुभव में बदल दिया। कल्चर क्लब-प्रीस्कूल के संस्थापक निखिल मोजिका ने कहा कि यह प्रतिक्रिया सार्थक आउटडोर गतिविधियों की बढ़ती मांग को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि जूनियर सर्किट को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह वास्तविक जीवन की चुनौतियों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, लचीलापन और खुशी का विकास करे। भागीदारी का स्तर यह दिखाता है कि परिवार ऐसे मंचों को कितनी अहमियत देते हैं। आयोजकों ने बच्चों में बढ़ती निष्क्रिय जीवनशैली की समस्या को दूर करने के लिए संरचित और आनंददायक आउटडोर खेलों को फिर से बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कोर्स पूरा करने वाले प्रत्येक बच्चे को सम्मानित किया गया, जिससे प्रयास और भागीदारी की भावना को प्रोत्साहन मिला। सफल शुरुआत के साथ, *जूनियर सर्किट* गुवाहाटी में एक नई, परिवार-केंद्रित आउटडोर संस्कृति के उभरने का संकेत देता है साथ ही इसका उद्देश्य आने वाले संस्करणों में इस पहल का और विस्तार करना है।

संपादकीय

सोशल मीडिया पर अंकुश

अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक जूरी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिभावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि वे मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरुआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है। जूरी ने इसे अनैतिक भी बताया। जूरी के निर्णय के अनुसार इस मामले में जुर्माने की सत्तर फीसदी राशि मेटा तथा तीस फीसदी रकम गूगल को चुकानी होगी। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विरुद्ध हजारों मुकदमें चल रहे हैं। जिसमें कई वे लोग भी शामिल हैं जिनके बच्चों ने सोशल मीडिया की लत का शिकार होकर आत्मघाती कदम उठाये हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में अभिभावक इस लत से बच्चों को बचाने के लिये आंदोलन करते रहे हैं। यही नहीं, अमेरिका में ही विभिन्न अदालतों में सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये सैकड़ों मामले चल रहे हैं। विश्वास किया जा रहा है कि इस मुकदमे के फैसले का प्रभाव उन तमाम मामलों में भी पड़ सकता है, जो दुनिया के विभिन्न देशों में चल रहे हैं। हालांकि, दोषी पाये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कर्ताधर्ता इस फैसले से असहमति जताते हुए इसके खिलाफ अपील करने की बात कर रहे हैं। उनकी दलील है कि किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव के अनेक अन्य कारण हो सकते हैं, जिनके लिये सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यूट्यूब के अधिकारियों का कहना है कि ये सोशल मीडिया साइट नहीं, सिर्फ वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म हैं। जबकि पीड़ित युवती के वकीलों की दलील थी कि मेटा आदि कंपनियों ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की संरचना ऐसी बनायी है कि किशोरों को इसकी लत लग जाए। हकीकत ये है कि भारत समेत दुनिया के करोड़ों किशोर इसकी लत के शिकार बन रहे हैं। यही वजह है हफ्तों चले मुकदमे के दौरान बड़ी संख्या में किशोरों के अभिभावक वादी के पक्ष में अदालत के परिसर में मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इस फैसले से पहले न्यू मैक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिये जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्कों की सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों का खतरा बढ़ गया है।, भारत समेत कई विकसित व विकासशील देशों में सोशल मीडिया से बच्चों के जीवन में पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर चिंता सालों से बनी हुई है। लेकिन देश में इस बाबत कोई नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आती। बच्चों की पढ़ाई खराब होने और उनके मानसिक रोगों से ग्रस्त होने की आशंका से अब अभिभावक आक्रोश व्यक्त करने लगे हैं। यही वजह है कि दुनिया के विकसित देशों में इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म से बच्चों को दूर रखने के लिए कानून बन रहे हैं। आस्ट्रेलिया के बाद फ्रांस और अब अन्य यूरोपीय देश भी इस दिशा में पहल कर रहे हैं ताकि एक निर्धारित आयु से ऊपर के बच्चे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंच बना सकें।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिभावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि वे मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरुआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है।

निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है

धर्म, जाति और धर्मांतरणः सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

धर्म जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है। भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था। जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं। धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलत: सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था। जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए।

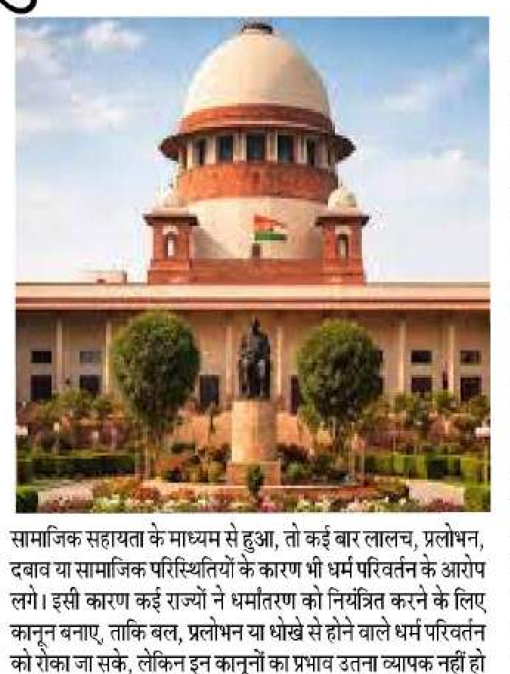

सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी। जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है। आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना। आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है। अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

देश | दुनीया से

वैश्विक संकट के बीच मानवता की अंतिम सुरक्षा-रेखा है ऊर्जा संरक्षण

आज जब विश्व एक बार फिर भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार- चढ़ाव, आपरूति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्त्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सयता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है। संयुत्त राष्ट्र की 'एनजा प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गईं तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पामि एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपरूति पर अनिातिता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी वुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनजा एजेंसी की 'इंडिया एनजा आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का वेंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है। ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-वुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर वंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा ाति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बर्बादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है। अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्त्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की वुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर वंडीशनिग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाईं जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। ऊर्जा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्जा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाईं जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्जा की बचत केवल व्यत्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्जा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है।

कुछ | अलग

सांसारिक ज्ञान जब अधिक हो जाता है तो घमंड आता है

हमारे शास्त्र कहते हैं कि दुनिया जिस रूप में है, उसे उसी रूप में देखें और सच का दामन कभी न छोड़ें। हालात कैसे भी हों, आपका नजरिया हमेशा पॉजिटिव होना चाहिए। एक स्वस्थ और शुद्ध मन सुख-शांति और आनंद का जरिया है। सच्ची प्रगति चाहिए तो लक्ष्य के प्रति सचेत रहें और लगातार आध्यात्मिक प्रयास करते रहें। भविष्य की चुनौतियों के बारे में अच्छे से सोचकर नए टारगेट बनाएं। हमें अपना चरित्र अच्छा बनाना है और धार्मिक नहीं, आध्यात्मिक बनना है। अध्यात्म ही मानव कल्याण का आधार है। ज्ञान हो या विज्ञान, अध्यात्म में ही इनका मूल है। आज की पीढ़ी में संवेदनशीलता की कमी है। तकनीकी शिक्षा पर जोर देने से भौतिक विकास तो हुआ, लेकिन इसे समग्र विकास नहीं कहा जा सकता है। समाज तब समृद्ध होगा, जब उसकी सिंचाई संस्कारों से होगी। इसमें पढ़े-लिखे लोगों की जिम्मेदारी ज्यादा है। अपने साथ वे दूसरों का जीवन भी संवारें। आध्यात्मिक जीवनशैली के जरिए इस जिम्मेदारी को निभाया जा सकता है। साधना में ही वह ताकत है, जिससे व्यक्ति धीरे-धीरे आसक्ति और मोह छोड़ता जाता है। साधना में व्यक्ति अंदर से मजबूत होता है। एक वक्त आता है, जब वह खुद को ब्रह्म के साथ एकाकार कर लेता है। धार्मिक बनना आसान है, मगर एक सच्चा आध्यात्मिक साधक बनना कठिन है। खुद को ईश्वर में साधने का अर्थ ही साधना है। साधना के बिना जीवन अधूरा होता है और हमें परमानंद नहीं मिल पाता है। साधना के भी ढेरों अध्याय हैं। अगर मनुष्य साधना की राह पर चले, तो उसे जीवन को समझने का सही ज्ञान मिलता है।

आप का | नजरीया

न ट्रंप पर विश्वास न ही पाक की मध्यस्थता मंजूर

न ट्रंप पर विश्वास न ही पाक की मध्यस्थता मंजूर पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए अमेरिका के 15 सूत्रीय प्रस्ताव को खारिज करते हुए ईरान ने उल्टा अपनी पांच शत्रे रख दीं। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15 सूत्रीय शांति प्रस्ताव को एकतरफा बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है और युद्ध खत्म करने के लिए अपनी पांच बड़ी शत्रे सामने रख दीं हैं। ईरान ने स्पष्ट कहा कि वह यह युद्ध तब ही खत्म करेगा, जब उसकी मांगे पूरी होंगी। अमेरिका ने अपना प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए ईरान तक पहुंचाया था। ईरान ने दो टूक कहा कि न तो हमें ट्रंप पर विश्वास है और न ही हमें पाकिस्तान की मध्यस्थता मंजूर है। ईरान ने अपनी पांच शतरे में युद्ध के नुकसान का भारी मुआवजा, टारगेट किलिंग पर रोक और सबसे महत्वपूर्ण स्टेट ऑफ होर्मुज पर पूर्ण संप्रभुता शामिल है। तेहरान का स्पष्ट रुख है कि शांति तभी होगी जब अमेरिका उसकी शतरे को मानेगा और क्षेत्र के सभी रेजिस्टेंस ग्रुप्स पर हमले बंद करेगा। ईरान और अमेरिका के बीच छिड़ी इस भीषण जंग में अब तेहरान ने भी अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 सूत्रीय प्रस्ताव दिया था। यह वुछ इस प्रकार था: ईरान अपने तीनों प्रमुख परमाणु ठिकानों को बंद करे। यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह रोके। बैलिस्टिक मिसाइल कार्यव्रम को निलंबित किया जाएगा। विद्रोही समूह जैसे हमास, हिजबुल्लाह, हूती आदि को मदद बंद करें। होर्मुज को पूरी तरह खोला जाए। ईरान ये वादा करे कि वह कभी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करेगा। एक प्रमुख मांग यह भी थी कि मौजूदा संवर्धित यूरेनियम को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को सौंपना होगा। बाकी भी वुछ मांगे थीं, मैंने प्रमुख अमेरिकी मांगों का जिव्र किया है, ईरान और अमेरिका एक-दूसरे से जो चाहते हैं, मुझे तो उन पर सहमति होना मुश्किल लगता है। कमोबेश इन्हीं मामलों पर फरवरी में भी बातचीत हुई थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते हैं, जिस पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। वहीं, ईरान के विदेशी मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश संघर्ष का स्थायी अंत चाहता है। उन्होंने कहा कि युद्ध विराम के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है, लेकिन ईरान की अमेरिका से वार्ता की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिका मध्यस्थों के जरिए संदेश भेज रहा है। ऐसे संदेशों के आदान-प्रदान का मतलब वार्ता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने जिस मकसद से युद्ध छेड़ा था, उसे हासिल नहीं कर पाया। अमेरिका युद्ध में जीत और ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहता था, जो दोनों ही नहीं हुए। वहीं ईरान के संयुक्त सैन्य कमान के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फकारी ने कहा जिस अमेरिकी रणनीतिक ताकत का ट्रंप शेखी बघारते थे, वह अब रणनीतिक हार में बदल गईं। आज कोईं भी अमेरिका के झूठे प्रचार से भ्रमित नहीं होगा। इससे पहले, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिए भेजे प्रस्ताव में युद्ध विराम के लिए ईरान को पाकिस्तान, तुर्किए में से किसी जगह वार्ता का सुझाव दिया था जिसे ईरान ने सिरे से खारिज कर दिया। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बेघाई ने कहा कि पिछले साल जब परमाणु वार्ता हो रही थी उसी बीच अमेरिका ने ईरान पर हमला किया था। उन्होंने उसे वूटनीतिक विश्वासघात बताते हुए कहा, हमें अमेरिका पर कोई भरोसा नहीं है। ट्रंप दो बार धोखा दे चुके हैं और अब हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमारी राय में ताकत कोईं समाधान नहीं है। बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईरान पर हमले बंद हों। यह नहीं हो सकता कि आप एक तरफ शांति प्रस्ताव भेजें और संघर्ष विराम की एक तरफा घोषणा करके हमले जारी रखें? यही नहीं अमेरिका लगातार अपनी थल सेना के सैनिक बढ़ाता जा रहा है। नए-नए युद्ध पोत, फाइटर विमान भेजे जा रहा है और दूसरी ओर शांति की बात करता है।

ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15 सूत्रीय शांति प्रस्ताव को एकतरफा बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है और युद्ध खत्म करने के लिए अपनी पांच बड़ी शत्रे सामने रख दीं हैं। ईरान ने स्पष्ट कहा कि वह यह युद्ध तब ही खत्म करेगा, जब उसकी मांगे पूरी होंगी। अमेरिका ने अपना प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए ईरान तक पहुंचाया था। ईरान ने दो टूक कहा कि न तो हमें ट्रंप पर विश्वास है और न ही हमें पाकिस्तान की मध्यस्थता मंजूर है। ईरान ने अपनी पांच शतरे में युद्ध के नुकसान का भारी मुआवजा, टारगेट किलिंग पर रोक और सबसे महत्वपूर्ण स्टेट ऑफ होर्मुज पर पूर्ण संप्रभुता शामिल है। तेहरान का स्पष्ट रुख है कि शांति तभी होगी जब अमेरिका उसकी शतरे को मानेगा और क्षेत्र के सभी रेजिस्टेंस ग्रुप्स पर हमले बंद करेगा। ईरान और अमेरिका के बीच छिड़ी इस भीषण जंग में अब तेहरान ने भी अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 सूत्रीय प्रस्ताव दिया था। यह वुछ इस प्रकार था: ईरान अपने तीनों प्रमुख परमाणु ठिकानों को बंद करे। यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह रोके। बैलिस्टिक मिसाइल कार्यव्रम को निलंबित किया जाएगा। विद्रोही समूह जैसे हमास, हिजबुल्लाह, हूती आदि को मदद बंद करें। होर्मुज को पूरी तरह खोला जाए।

दृष्टि | कोण

कई सभ्यताओं को नष्ट किया जलवायु परिवर्तन ने

मानव इतिहास में जलवायु का हमेशा से ही अहम रोल रहा है। अच्छी जलवायु में अनेक सभ्यताओं का उत्थान हुआ और जलवायु बिगड़ने पर कई सभ्यताओं का पतन हुआ। इतिहास में इसके अनेक उदाहरण मौजूद हैं। जब सही समय पर बारिश होती है, तो फसलें उगती हैं और शहर फलते-फूलते हैं। जब ऐसा नहीं होता, तो लोग दूसरी जगह चले जाते हैं। लगभग 4,200 साल पहले, धरती पर एक बड़ा जलवायु परिवर्तन हुआ था। मध्य पूर्व से लेकर एशिया तक की सभ्यताओं ने मुश्किलें झेलीं। मध्य चीन में, शिजियाहे संस्कृति के नाम से जाना जाने वाला एक बड़ा और संगठित समाज खत्म होने लगा। सालों तक शोधकर्ता इस बात पर बहस करते रहे कि शिजियाहे के पुराने शहर को क्यों छोड़ दिया गया था। पहले उनका शक सूखे पर था। वैज्ञानिकों की एक टीम ने अब शिजियाहे के पतन का कारण यांग्त्ज़ी वैली में बार-बार, लंबे समय तक होने वाली बारिश को बताया है। उनके नतीजों से पता चलता है कि इस इलाके में जबरदस्त बाढ़ आई थी। यह समझने के लिए कि वास्तव में क्या हुआ, शोधकर्ता जमीन के नीचे गए। यांग्त्ज़ी वैली के बीच में हेशांग गुफा के अंदर, उन्होंने स्टैलेग्माइट (कैल्शियम कार्बोनेट के भंडार) की स्टडी की जो गुफा के फ़र्श से धीरे-धीरे बढ़ रहा था। स्टैलेग्माइट तब बनते हैं जब छत से बारिश का पानी टपकता है और कैल्शियम कार्बोनेट की छोटी-छोटी परतें पीछे छोड़ जाता है। साल दर साल, ये परतें इतिहास की किताब के पन्नों की तरह जमा होती जाती हैं। उन परतों की रासायनिक बनावट को मापकर शोधकर्ताओं ने एक ऐसी चीज बनाई जिसे उन्होंने 'रेनफाल इयरबुक' कहा। उन्होंने 1,000 साल की अवधि में हर साल कितनी बारिश हुई, यह पता लगाने के लिए 925 सैंपल माप लिए। इसके नतीजे साफ थे। घाटी में तीन सूखे दौर आए। हर दौर 40 से 150 साल तक चला, जब बारिश 700 मिलीमीटर प्रति साल (लगभग 28 इंच) से कम हो गई। इसने दो बहुत ज़्यादा बारिश वाले दौर भी झेले।

एक 80 साल और दूसरा 140 साल, जब बारिश प्रति वर्ष 1,000 मिलीमीटर से ज़्यादा हो गई। जब शोधकर्ताओं ने बारिश के रिकॉर्ड की तुलना पुरातात्विक सबूतों से की, तो पैटर्न साफ हो गया। बारिश वाले दौर में गंभीर बाढ़, फैलती आर्द्रभूमि और आबादी में तेज गिरावट के संकेत मिले। लगभग 3,950 साल पहले इस इलाके में रिकॉर्ड में सबसे लंबे समय तक भारी बारिश हुई। झीलें फैल गईं। निचली जमीन गीली हो गई और खेती की जमीन कम हो गई। उसी समय, शिजियाहे कल्चर से जुड़े पुरातात्विक अवशेषों की संख्या कम होने लगी। यह गिरावट थोड़ी देर के लिए नहीं थी। यह सदियों तक चली। सबूत बताते हैं कि जो लोग बच गए, उन्होंने घाटी में अपना शहरी ठिकाना छोड़ दिया और ऊंची जगहों पर चले गए। यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफ़र्ड के अर्थ साइंसेज़ डिपार्टमेंट और चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ जियोसाइंसेज़ (वुहान) की टीमों ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है। उन्होंने अपने अध्ययन में एक गुफा के अंदर के क्लाइमेट रिकॉर्ड को जमीन के ऊपर एक संगठित समाज की नियति से जोड़ा है। अध्ययन में एक खास बात सामने आई। शोधकर्ताओं ने पाया कि शिजियाहे सभ्यता के खत्म होने से जुड़े ज्यादा बारिश के समय के दौरान सबसे ज़्यादा बारिश आज के समय में रिकॉर्ड की गई कुछ बहुत ज़्यादा बारिश की घटनाओं से कम थी। यह बात मायने रखती है। पुराने समाजों में बांध, तटबंध, एडवांस्ड ड्रेनेज सिस्टम या बड़े पैमाने पर बाढ़ नियंत्रण की प्लानिंग नहीं थी। वे स्थिर मौसमी पैटर्न पर बहुत ज़्यादा निर्भर थे।

कोटा में 1 अप्रैल को भव्य रेल प्रदर्शनी, आधुनिक तकनीकों का मिलेगा अनुभव

कोटा (हिंस)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल स्थापना दिवस के अवसर पर 1 अप्रैल को मेनाल ऑफिसर्स क्लब में भव्य रेल प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। प्रदर्शनी को लेकर आमजन में उत्साह देखा जा रहा है और इसे जनसुलभ व आकर्षक बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रदर्शनी में रेलवे की आधुनिक तकनीक और कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर मिलेगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि प्रदर्शनी सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में इंजीनियरिंग, वाणिज्य, रेलवे सुरक्षा बल, सिग्नल एवं दूरसंचार, विद्युत, यांत्रिक और परिचालन सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों पर कार्यशील मॉडल, डिजिटल स्क्रीन और इंटरैक्टिव माध्यमों से जानकारी प्रस्तुत की जाएगी।

सपा को 2027 में भी रिजेक्ट करने को तैयार बैठी है यूपी की जनता : पंकज चौधरी

सपा का एजेंडा है समाज को तोड़ना

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा दादरी में दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पंकज चौधरी ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि अखिलेश यादव का पूरा भाषण झूठ, भ्रम, हताशा और समाज को बांटने की राजनीति का दस्तावेज था। जनता ने 2017 में सपा की कुशासन, भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति को नकार दिया था और 2027 में भी उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा को चुनने और सपा को रिजेक्ट करने को तैयार बैठी है। श्री चौधरी ने कहा कि पीडीए के नाम पर अखिलेश यादव सामाजिक न्याय नहीं, बल्कि राजनीतिक धोखे का नया पैकेज बेच रहे हैं। जो पार्टी वर्षों तक सत्ता में रहकर गरीब, पिछड़े, दलित, किसान और नौजवान को केवल वोट बैंक समझती रही, वह आज खुद को पीड़ितों की सबसे बड़ी हितैषी बताने का नाटक कर रही है। सच्चाई यह है कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा कुछ परिवारों, कुछ चेहरों और कुछ खास वर्गों के हित को ही प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट पर समाजवादी पार्टी श्रेय लेने की कोशिश कर रही है, जबकि उत्तर प्रदेश की जनता सच्चाई जानती है। यदि समाजवादी पार्टी इतनी ही विकासवादी होती तो उसके शासनकाल में उत्तर प्रदेश निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और कानून व्यवस्था में पिछड़ा क्यों रहा? जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दृढ़ संकल्प का परिणाम है, जिसने उत्तर प्रदेश को देश के सबसे बड़े विकास इंजन के रूप में स्थापित किया है। सपा के लोग केवल फाइलों में सपने दिखाते थे, भाजपा सरकार जमीन पर परियोजनाएं उतारती है। पंकज चौधरी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण पर सपा का बयान सुनकर प्रदेश की माताएं-बहनें आश्चर्यचकित हैं। जिस पार्टी के शासनकाल को जनता गुंडाराज, छेड़खानी, दंगों, माफियावाद और अपराध के खुले संरक्षण के रूप में याद करती है, वह आज 1090 और महिला सम्मान की बात कर रही है। भाजपा सरकार ने मिशन शक्ति, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक न्याय, पुलिस भर्ती और सख्त कानून व्यवस्था के जरिए महिलाओं को सुरक्षित वातावरण दिया है। सपा के शासन में बेटी घर से निकलने से डरती थी, भाजपा के शासन में बेटी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि रोजगार और पेपर लीक पर अखिलेश यादव का बयान भी पूरी तरह पाखंड है। सपा सरकार के दौरान भर्ती प्रक्रियाएं भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार का प्रतीक थीं। भाजपा सरकार ने पारदर्शी भर्ती, निवेश, उद्योग, स्टार्टअप, एक्सप्रेस-वे, डिफेंस कॉरिडोर, एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज और डिजिटल इकोनॉमी के जरिए लाखों रोजगार और स्वरोजगार के अवसर तैयार किए हैं। जब प्रदेश बदल रहा है, तब सपा को अपना झूठ ही सहारा दिख रहा है। श्री चौधरी ने कहा कि अखिलेश यादव समाज को 5% और 95% में बांटकर राजनीतिक रोटियां सेंकना चाहते हैं। भाजपा का स्पष्ट मत है कि उत्तर प्रदेश जातीय टकराव नहीं, सामाजिक समरसता, सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास के रास्ते पर आगे बढ़ेगा। सपा का एजेंडा समाज को तोड़ना है, भाजपा का संकल्प समाज को जोड़ना है। उन्होंने अखिलेश यादव के *एटीएम, जुमला* और *झूठ* जैसे बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि जिनके शासनकाल में भ्रष्टाचार, भूमि घोटाले, भर्ती घोटाले, गुंडागर्दी और संरक्षणवाद का एटीएम चौबीसों घंटे चलता था, उन्हें नैतिकता पर भाषण देने से पहले आत्ममंथन करना चाहिए। जनता सब जानती है कि किसने प्रदेश को अराजकता दी और किसने कानून का राज स्थापित किया। पंकज चौधरी ने कहा कि 2027 का उत्तर प्रदेश जातीय उकसावे, झूठे वादों और परिवारवादी राजनीति से नहीं, विकास, सुशासन, सुरक्षा, गरीब कल्याण और राष्ट्रवाद के आधार पर फैसला करेगा।

फेस्टिवल ऑफ लेटर्स में बीकानेर के पांच साहित्यकार लेंगे भाग

बीकानेर (हिंस)। संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा *फेस्टिवल ऑफ लेटर्स 2026* का आयोजन 30 मार्च से 4 अप्रैल तक रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में किया जाएगा। इस राष्ट्रीय साहित्योत्सव में बीकानेर के पांच साहित्यकार विभिन्न सत्रों में भाग लेंगे। कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ साहित्यकार मधु आचार्य *आशावादी* 30 मार्च को *मैं क्यों लिखता हूं* विषय पर पैनल चर्चा में शामिल होंगे। डॉ. ब्रज रतन जोशी 31 मार्च को *हवा में मर्मर ध्वनियां* कार्यक्रम में हिंदी कविता पाठ करेंगे। इसी क्रम में डॉ. नंद किशोर आचार्य 2 अप्रैल को *भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में साहित्य की भूमिका (वंदे मातरम के 150 वर्ष)* विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में भाग लेंगे। साहित्यकार अमित गोस्वामी *विचारोत्तेजक लालित्य* कार्यक्रम में उर्दू कविता पाठ प्रस्तुत करेंगे। वहीं संजय पुरोहित 4 अप्रैल को *आत्मा की आवाज* कार्यक्रम में राजस्थानी भाषा में काव्य पाठ करेंगे। साहित्य अकादमी के इस आयोजन में देशभर से लगभग 650 साहित्यकार भाग लेंगे। साहित्योत्सव में 50 भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधित्व होगा और 100 से अधिक सत्र आयोजित किए जाएंगे।

जयपुर में हाफ मैराथन का भव्य आगाज, मुख्यमंत्री ने किया फ्लैग ऑफ

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के अजमेर रोड स्थित महिन्द्रा वर्ल्ड सिटी में आयोजित हाफ मैराथन का फ्लैग ऑफ कर शुभारंभ किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में युवाओं और आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तन और मन से स्वस्थ रहना सुखी जीवन का मूल आधार है। भारत युवाओं का देश है और युवा तरुणाई को ऊर्जा से भरपूर बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब युवा आगे बढ़ेगा, तभी समाज और राष्ट्र भी प्रगति करेगा। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाते हुए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें और देश-प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले सवा दो वर्षों में सरकारी और निजी नौकरियों के साथ-साथ स्वरोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराकर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास किया गया है। यह हाफ मैराथन द टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं युवाओं पर केंद्रित हैं और युवाओं को चाहिए कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक इसका फायदा पहुंचाएं। मैराथन को हरी झंडी दिखाने के बाद मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर टाइम्स ऑफ इंडिया के डायरेक्टर अनुराग अग्रवाल, महिन्द्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड के एमडी-सीईओ अमित कुमार सिन्हा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में युवाओं का जोश और उत्साह देखने लायक रहा, जिससे जयपुर में एक सकारात्मक और ऊर्जा से भरा माहौल बना रहा।

विदेशों में छिपे 20 अपराधियों के प्रत्यर्पण की तैयारी

चंडीगढ़ (हिंस)। विदेशों में बैठकर हरियाणा में फिरौती मांगने तथा साइबर क्राइम का संचालन करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई शुरू होने जा रही है। हरियाणा पुलिस ने विदेश में छिपे अपराधियों की सूची केंद्रीय एजेंसियों को भेजकर इंटरपोल की मदद मांगी है। इस संबंध में हरियाणा पुलिस की एक विशेष टीम लगातार केंद्रीय एजेंसियों के साथ तालमेल कर रही है। हरियाणा में वर्ष 2024 के दौरान फिरौती मांगने के 178 तथा 2025 में 107 मामले सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर मामले विदेशों में बैठे अपराधियों से लिंक मिले हैं। पनामा के जंगलों समेत कई देश ऐसे हैं जहां भारतीय कानूनों की मान्यता नहीं है और भारत के साथ संधि नहीं है। इसके बावजूद पुलिस द्वारा पिछले साल 17 अपराधियों को डिपोर्ट करवाया गया है और भारत में बैठकर फिरौती मांगने व साइबर क्राइम गिरोह चलाने वाले 793 अपराधियों को पकड़ा गया है। हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल के अनुसार, 115 अपराधियों को लुक आउट नोटिस जारी करवाए गए हैं।

फसल खरीद पर सीएम की दो टूक, मंडियों में गड़बड़ी पर नपेंगे अफसर

चंडीगढ़ (हिंस)। खरीफ और रबी सीजन में मंडियों में फसल खरीद के दौरान होने वाली गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए नायब सरकार ने एक्शन प्लान तैयार किया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शनिवार देर रात्रि जिला उपायुक्तों के साथ रबी फसल खरीद की तैयारियों की समीक्षा के दौरान सख्त चेतावनी दी कि मंडियों में गड़बड़ी और लापरवाही मिलने पर अधिकारी और कर्मचारी नपेंगे। किसानों का एक-एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जिलों उपायुक्तों को चेताया कि मंडियों में किसानों को किसी भी तरह की असुविधा सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में बारदाना, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय और कैंटीन जैसी मूलभूत सुविधाएं हर हाल में उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि फसलों का भुगतान समय पर सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, कृषि विभाग के महानिदेशक राजनारायण कौशिक समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियों में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने डीसी को निर्देश दिए कि सभी मंडियों में पर्याप्त मात्रा में बारदाना (बोरियां), स्वच्छ पेयजल, उचित बैठने की व्यवस्था, साफ-सुथरे शौचालय और अच्छी तरह संचालित कैंटीन सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके साथ ही सभी प्रवेश और निकास द्वारों पर प्रभावी सीसीटीवी निगरानी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मंडी में खरीद प्रक्रिया की निगरानी और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। साथ ही, मंडियों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और सुचारू संचालन के लिए आवश्यकतानुसार पुलिस सहायता लेने के भी निर्देश दिए गए। किसानों के हितों की रक्षा के लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीदी गई फसलों का भुगतान समय पर और सीधे किसानों के बैंक खातों में बिना किसी देरी के किया जाए। इसके अतिरिक्त, सभी उपायुक्तों को नियमित रूप से मंडियों का दौरा करने और स्थानीय स्तर पर लगातार समीक्षा बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि सभी समस्याओं का समय रहते समाधान किया जा सके और संपूर्ण खरीद व्यवस्था को सुचारू बनाया जा सके। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने जानकारी दी कि इस वर्ष गेहूं की खरीद के लिए राज्य में 416, सरसों के लिए 112, जौं के लिए 25, चना के लिए 11 तथा मसूर के लिए 7 मंडियां तय की गई हैं। इस वर्ष सभी मंडियों में खरीद कार्य के लिए जिओ-फेंसड किया गया है। किसानों की आवक के सभी गेट पास ई-खरीद मोबाइल एप से काटे जाएगें। रबी सीजन में इस वर्ष किसानों की उपज की बोली के समय *मेरी फसल मेरा ब्यौरा* पोर्टल पर पंजीकृत किसान या उसके तीन प्रतिनिधियों में से किसी एक का बायोमेट्रिक सत्यापन होना आवश्यक है। बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए हरियाणा राज्य की सभी मंडियों में व्यवस्था की जा चुकी है। खरीद कार्यों के दौरान सभी प्रकार के गेट पास व अन्य खरीद कार्य मोबाइल एप से ही संचालित किए जाएंगे।

पाली के नारलाई पहुंचीं अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा, आदिनाथ जैन मंदिर में किए दर्शन

पाली (हिंस)। बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा रविवार को राजस्थान के पाली जिले के नारलाई स्थित प्राचीन आदिनाथ जैन मंदिर में दर्शन करने पहुंचीं। उन्होंने दोपहर में मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। अभिनेत्री मलाइका के मंदिर पहुंचने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर परिसर में जुट गई। लोग उनकी एक झलक पाने और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए उत्साहित नजर आए। अभिनेत्री ने भी मुस्कुराते हुए प्रशंसकों का अभिवादन किया। जानकारी के अनुसार मलाइका अरोड़ा इन दिनों मारवाड़ क्षेत्र में अवकाश बिताने आई हुई हैं। वे नारलाई के प्रसिद्ध विरासत होटल रावला नारलाई में ठहरी हैं और यहां की प्राकृतिक सुंदरता व शांत वातावरण का आनंद ले रही हैं। पाली जिले में नारलाई क्षेत्र अपनी आध्यात्मिक विरासत और प्राकृतिक आकर्षण के लिए जाना जाता है। यहां आदिनाथ जैन मंदिर के अलावा तपेश्वर महादेव मंदिर और जैकल नाथ महादेव मंदिर भी स्थित हैं, जो श्रद्धालुओं के प्रमुख आस्था केंद्र हैं। साथ ही, यह क्षेत्र लेपर्ड सफारी के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। मलाइका अरोड़ा के इस दौरे से नारलाई और आसपास के क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों में भी इसको लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

जब तक भाजपा की सरकार है, तब तक संविधान खतरे में : अखिलेश यादव

नोएडा (हिंस)। समाजवादी पार्टी प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को दादरी स्थित मिहिर भोज डिग्री कॉलेज में आयोजित *भाईचारा रैली* को संबोधित करते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा सत्ता में है, तब तक देश का संविधान खतरे में रहेगा। अखिलेश यादव ने भीमराव अंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने देश को ऐसा मजबूत संविधान दिया है, जो किसी भी हथियार से ज्यादा ताकतवर है, लेकिन भाजपा को इस संविधान पर भरोसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में *5 प्रतिशत लोग 95 प्रतिशत जनता का शोषण कर रहे हैं* और उनकी लड़ाई इसी असमानता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि समाज में भेदभाव और उत्पीड़न झेलने वाले लोगों का दर्द वही समझ सकता है, जिसने इसे महसूस किया हो। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सत्ता से हटने के बाद उनके घर को गंगाजल से धुलवाने और मंदिर जाने के बाद मंदिर धुलवाने जैसी घटनाओं ने उन्हें गहरा आघात पहुंचाया। सपा प्रमुख ने *पीडीए समाज* (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि अब सामाजिक न्याय का समय है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी को मिटाने का नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का है। उन्होंने कहा कि समाज में दो तरह के लोग होते हैं-एक शोषण करने वाले और दूसरे शोषित। उनका लक्ष्य शोषित वर्ग को उनका अधिकार और सम्मान दिलाना है। अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की रैलियों में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया जाता है। उन्होंने हाल ही में जेवर में हुई रैली का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि छात्रों और सरकारी कर्मचारियों को वहां जबरन बुलाया गया। उन्होंने कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विकास में समाजवादी सरकार का बड़ा योगदान रहा है। दिल्ली से नोएडा और ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाली मेट्रो परियोजनाएं सपा सरकार में ही शुरू हुई थीं। सपा इस रैली को 2027 विधानसभा चुनाव की औपचारिक शुरुआत मान रही है। रैली संयोजक राजकुमार भाटी के अनुसार, इस आयोजन के जरिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 32 जिलों और करीब 140 विधानसभा सीटों को साधने की रणनीति बनाई गई है। पार्टी की नजर खासतौर पर जाट और गुर्जर समुदाय पर है, जो क्षेत्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। सपा नेताओं का दावा है कि 2012 की तरह इस बार भी दादरी से शुरू हुआ अभियान पार्टी को सत्ता तक पहुंचाएगा। रैली में जाने से पूर्व उन्होंने गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। रैली में विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडे, सांसद इकरा हसन, हरेंद्र मलिक, धर्मेंद्र यादव, रामजीलाल सुमन, विधायक अतुल प्रधान, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, जावेद अल्वी, सपा के बरिष्ठ नेता वीर सिंह यादव, डॉक्टर महेंद्र नागर सहित सपा के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी मौजूद थे। रैली के संयोजक राजकुमार भाटी के अनुसार रैली में करीब 50 हजार से ज्यादा लोगों ने भाग लिया है। समाजवादी पार्टी की रैली के चलते करीब 4 किलोमीटर दूर तक दादरी में जाम की स्थिति बनी रही। आलम यह था कि काफी कार्यकर्ता रैली स्थल तक भी नहीं पहुंच पाए। मंच का संचालन प्रदीप भाटी ने किया। वहीं, सपा नेता सुधीर चौहान ने बताया कि वर्ष 2012 में अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सपा के अध्यक्ष रहते हुए नोएडा से चुनावी बिगुल फूक था, तथा वह भारी बहुमत से सत्ता में आए थे। उन्होंने कहा कि इस बार भी यहां से सपा ने अपना चुनावी अभियान शुरू किया है, तथा 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आएगी।

व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की कार्यपद्धति पर चलता है संघ : महेश

बिजनौर (हिंस)। संघ शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की शृंखला के अंतर्गत प्रमुख जन गोष्ठी रविवार को काकरान वाटिका में संपन्न हुई। गोष्ठी में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघ चालक महेश पाल सिंह और प्रांत विद्यार्थी प्रमुख डॉ. विदित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला बौद्धिक प्रमुख यशपाल सिंह ने किया। प्रमुख जन गोष्ठी में बिजनौर नगर, नजीबाबाद, किरतपुर, झालू, नांगल, मंडावर आदि जगहों से प्रमुख व्यक्ति गोष्ठी में उपस्थित रहे। गोष्ठी का प्रारम्भ मुख्य वक्ताओं द्वारा भारत माता, परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार तथा श्री गुरुजी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर किया गया। मुख्य वक्ता महेश जी ने हिंदुत्व की विचारधारा पर विचार रखते हुए संघ की 100 वर्ष की यात्रा पर प्रकाश डाला और बताया कि किस प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की गई और संघ व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की कार्यपद्धति को अपनाकर संघ आज विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बन गया है। किस प्रकार संघ ने समाज का संगठन किया और कैसे विपरीत परिस्थितियों से निकलकर संघ ने समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपने अनुषांगिक संगठन खड़े किए। तत्पश्चात मुख्य वक्ता डॉक्टर विदित जी ने पंच परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों की भलाई के लिए हमें पूरे समाज को साथ लेकर सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य को अपनाना ही होगा। उन्होंने कहा कि भारत माता को परम वैभव पर ले जाने के लिए हम सभी को पंच परिवर्तनों को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि समाज से जात-पात की भावना को दूर करने के लिए सामाजिक समरसता पर कार्य करना होगा। कुटुंब प्रबोधन पर उन्होंने बताया कि किस प्रकार मजबूत कुटुंब द्वारा हम अपने समाज और देश को मजबूत बना सकते हैं। आज भी और आने वाले समय में तो बहुत अधिक पर्यावरण की महत्वपूर्ण भूमिका होने वाली है।

मैट्रिक परिणाम पर मुख्यमंत्री की बधाई, छात्राओं की सफलता को बताया महिला सशक्तीकरण का प्रतीक

पटना (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मैट्रिक परीक्षा-2026 में सफल हुए छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस वर्ष कुल 81.79 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए हैं, जिनमें छात्राओं का प्रदर्शन विशेष रूप से बेहतर रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि छात्राओं की उत्तीर्णता दर 86.23 प्रतिशत रही, जबकि छात्रों की सफलता दर 84.09 प्रतिशत दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि इस बार दो छात्राओं ने संयुक्त रूप से टॉप किया है, जो राज्य के लिए गर्व की बात है। नीतीश कुमार ने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल छात्राओं की मेहनत का परिणाम है, बल्कि उनके अभिभावकों के सहयोग का भी प्रतीक है। उन्होंने इसे महिला सशक्तीकरण का सशक्त उदाहरण बताते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा बालिकाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वे हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

छुट्टी के बाद भी गैस सिलेंडर के लिए लाइनों में लगे लोग

जींद (हिंस)। रविवार को छुट्टी होने के बाद भी एजेंसियों के बाहर गैस सिलेंडरों की लंबी लाइनें लगी रही। लोगों का कहना है कि जब गैस सिलेंडर पर्याप्त हैं तो वो उपलब्ध क्यों नही करवाए जा रहे हैं। उधर जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक राजेश कुमार आर्य का कहना है कि जिला जींद में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है। जिले की 24 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 5976 उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश प्रवक्ता डा. राजकुमार गोयल ने रविवार को कहा कि वर्तमान में नौ-नौ हजार गैस सिलेंडरों का स्टॉक है तो फिर क्यों बेवजह 200-200, 300-300 लोगों को सात से आठ घंटे लंबी लाइनों में खड़े करवा कर परेशान किया जा रहा है। जब प्रशासन के पास इतने सिलेंडरों का स्टॉक है तो क्यों सिलेंडरों की होम डिलीवरी बंद कर दी गई है। जिन लोगों ने 20-20 दिन पहले होम डिलीवरी करवाई हुई है, उनके घरों तक अभी तक सिलेंडर क्यों नहीं पहुंच रहे। राजकुमार गोयल ने प्रशासन को सुझाव देते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में इमरजेंसी सेवाएं प्रशासन द्वारा शुरू की जानी चाहिए। जिसके तहत अतिरिक्त कर्मियों की ड्यूटी लगाई जानी चाहिए। मौजूदा लाइन सिस्टम को तुरंत खत्म किया जाना चाहिए। गोदामों से 24 घंटे गैस वितरण व्यवस्था लागू करने की व्यवस्था की जानी चाहिए। राशन डिपो व अन्य स्थानों पर जगह-जगह गैस वितरण की व्यवस्था की जानी चाहिए। गोदामों पर अतिरिक्त कर्मचारियों की शिफ्ट लगाई जानी चाहिए। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक राजेश कुमार आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला जींद में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है। जिले की 24 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 5976 उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्तमान में गैस कंपनियों के पास लगभग 9195 सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, जो मांग से अधिक है। जिले के 178 पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल व डीजल की आपूर्ति नियमित रूप से जारी है और किसी प्रकार की कमी नहीं है।

पीएम के मन की बात जल संचय, सौर ऊर्जा, खेल एवं पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित

अररिया (हिंस)। पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संचय, सौर ऊर्जा, खेल एवं पर्यवारण संरक्षण में भारत और भारतवासियों के विकास और प्रगति के साथ बढ़ते कदम को बताया गया। भाजपा नेता प्रवीण कुमार ने फारबिसगंज भाजपा नगर अध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद मिंटू की अगुवाई में वरिष्ठ भाजपा नेता विमल सिंह, शिव कुमार साह नगर महामंत्री संदीप कुमार, झुग्गी झोपड़ी मंच के जिलाध्यक्ष किशन शर्मा, बूथ अध्यक्ष राजेश्वर साह, श्याम प्रसाद साह विक्रम कुमार, छोटु कुमार, श्रवण कुमार, गौरी शंकर शर्मा आदि कार्यकर्ताओं संग मन की बात कार्यक्रम के उपरांत कही। पीएम के मन की बात की 132 वें कड़ी को बूथ संख्या 164 पर रेडियो पर सामूहिक रूप से भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना। भाजपा नेता श्री कुमार ने पीएम के संबोधन की खास बातों का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम ने जहां पश्चिम एशिया में जारी युद्ध उसके कारण उपजे संकट से निबटने के लिए 140 करोड़ भारतीयों पर भरोसा जताया। उन्होंने देशवासियों एकजुट रहने पर बल दिया और लोगों से अपील किया कि वे अफवाह में ना आएं सिर्फ सरकार द्वारा दी गयी जानकारी पर ही भरोसा करें। साथ ही उन्होंने मिडिल ईस्ट में जारी भीषण जंग के बीच वहां रहने वाले एक करोड़ भारत वासियों की हर प्रकार की मदद एवं सुरक्षा मुहैया कराने के लिए खाड़ी देशों के प्रति आभार भी जताया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने ज्ञान भारतम सर्वे के माध्यम से पांडुलिपियों के संरक्षण, गर्मियों में जल संचय के लिए देश भर में बनाए गए 50 लाख आर्टिफिशियल वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाए जाने की जानकारी सहित मछुआरे की जीवन आसान बनाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। भाजपा नेता कुमार ने बताया कि पीएम ने पर्यावरण संरक्षण के साथ करीब सात दशक बाद जम्मू कश्मीर क्रिकेट टीम रणजी ट्रॉफी खिताब अपने नाम करने पर उनकी सराहना की तथा देश वासियों से फिटनेश पर ध्यान देते हुए योग को अपनाने पर बल दिया।

आस्ट्रेलिया सरकार ईंधन, उर्वरक और जरूरी चीजें खरीदने की गारंटी देगी

सिड्नी

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से आस्ट्रेलिया भी प्रभावित हुआ है। तेल संकट जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए पीएम एंथोनी अल्बानीज के नेतृत्व में आस्ट्रेलियाई सरकार कदम उठा रही है। सरकार ने आवश्यक वस्तुओं की खरीद को सुरक्षित करने के लिए नए ईंधन सुरक्षा उपायों की घोषणा की है।

तेल संकट जैसी परिस्थितियों से निपटने पीएम अल्बानीज का अहम कदम

पीएम अल्बानीज और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने बताया कि सरकार सोमवार को संघीय संसद में एक विधेयक पेश करेगी। यह विधेयक मौजूदा निर्यात क्रेडिट एजेंसी को निजी क्षेत्र की ओर से ईंधन, उर्वरक और अन्य जरूरी चीजों की खरीद की गारंटी देने की अनुमति देगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम अल्बानीज ने कहा कि सीधे शब्दों में कहें तो, हम एक्सपोर्ट फाइनेंस आस्ट्रेलिया का इस्तेमाल करके जहाजों में भरकर आने वाले ईंधन की खरीद की गारंटी देंगे। इससे आस्ट्रेलिया में ईंधन की आपूर्ति बढ़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की ओर से मिलने वाला यह समर्थन कोई सामान्य कारोबारी प्रक्रिया नहीं होगी। इसके तहत सिर्फ वही अतिरिक्त आपूर्ति शामिल होगी, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इन नए उपायों से उन आयातकों का वित्तीय जोखिम कम होगा जो अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ये उपाय ऐसे समय में किए जा रहे हैं, जब पूरे आस्ट्रेलिया में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं और क्षेत्रीय इलाकों में इसकी भारी किल्लत हो रही है। बोवेन ने बताया कि शनिवार तक आस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय भंडार में 39 दिनों का पेट्रोल, 30 दिनों का डीजल और 30 दिनों का जेट ईंधन मौजूद था। इससे पहले पीएम अल्बानीज ने शुक्रवार को कहा था कि अल्पावधि में आस्ट्रेलिया की ईंधन आपूर्ति की स्थिति अच्छी नजर आ रही है, लेकिन आने वाले महीनों में हालात और भी मुश्किल हो सकते हैं। अल्बानीज ने मलेशिया और व्यापक आसियान क्षेत्र के साथ अपने सकारात्मक संवादों का भी जिक्र किया। अल्बानीज सोमवार को ईंधन संकट के मुद्दे पर राष्ट्रीय कैबिनेट की एक बैठक भी बुलाई है। इससे पहले, विपक्ष के नेता एंगस टेलर ने सरकार से अपील की कि वह तीन महीने के लिए ईंधन पर लगने वाले उत्पाद शुल्क को अस्थायी तौर पर आधा कर दे।

न्यूज ब्रीफ

रायल एनफील्ड ने 10 लाख बाइक्स बेचने का बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। किसी एक वित्तीय वर्ष में घरेलू बाजार में रायल एनफील्ड ने पहली बार 10 लाख से ज्यादा बाइक्स बेचने का रिकार्ड बनाया है। कंपनी ने अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच 10,06,937 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। कंपनी की यह बिक्री पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 24 प्रतिशत अधिक है। इस बिक्री में मार्च के आंकड़े अभी शामिल नहीं हैं, जिससे कुल बिक्री और बढ़ने की संभावना है। इस शानदार प्रदर्शन के पीछे कंपनी की मजबूत प्रोडक्ट लाइनअप और ग्राहकों का बढ़ता भरोसा अहम भूमिका निभा रहा है। रायल एनफील्ड क्लासिक 350, रायल एनफील्ड बुलेट 350 और रायल एनफील्ड हंटर 350 जैसी लोकप्रिय बाइक्स ने बिक्री में बड़ा योगदान दिया है। खासतौर पर 350सीसी सेगमेंट में कंपनी की पकड़ बेहद मजबूत बनी हुई है, जहां उसका बाजार हिस्सा 90 प्रतिशत से अधिक बताया जा रहा है। कोविड के बाद प्रीमियम और पावरफुल बाइक्स की बढ़ती मांग ने भी कंपनी की सफलता को गति दी है। ग्राहकों का रुझान अब स्टाइलिश और दमदार मोटरसाइकिलों की ओर बढ़ा है, जिसका सीधा फायदा रायल एनफील्ड को मिला है। अनुमान है कि एफवाय 2026 के अंत तक कंपनी की कुल बिक्री 11 लाख यूनिट्स के करीब पहुंच सकती है, जो इसे बाजार में और मजबूत स्थिति में स्थापित करेगा। इसके साथ ही कंपनी ने नए माडल्स लान्च करने और कीमतों को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने की रणनीति अपनाई, जिससे इसकी लोकप्रियता और बढ़ी। आज रायल एनफील्ड केवल एक बाइक ब्रांड नही, बल्कि मिड-साइज मोटरसाइकिल सेगमेंट में अग्रणी खिलाड़ी बन चुकी है।

रियलमी 16 5जी भारत में जल्द होगा लान्च

नई दिल्ली। भारत में रियलमी ने अपने नए स्मार्टफोन रियलमी 16 5जी के लान्च की घोषणा कर दी है। यह स्मार्टफोन 2 अप्रैल को लान्च किया जाएगा। इसके साथ ही फलीपकार्ट व अन्य प्लेटफार्म्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। इस फोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 7000एमएएच की पावरफुल बैटरी है, जो 60वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है। कंपनी इस बैटरी पर छह साल की वारंटी भी दे रही है। परफार्मेंस के लिए इसमें डायमेंसिटी 6400 टर्बो प्रोसेसर दिया गया है, जो स्मूद एक्सपीरियंस देने का दावा करता है। कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी रियर कैमरा आईआईएस सपोर्ट के साथ मिलेगा, जबकि फ्रंट में भी 50 मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है। खास बात यह है कि इसमें सेल्फी मिरर के साथ नया कैमरा डिजाइन देखने को मिलेगा। फोन में 6.57 इंच का एफएचडी प्लस अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो शानदार विजुअल एक्सपीरियंस प्रदान करेगा।

एमजी कामेट ईवी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल

नई दिल्ली। अमेरिका -इजराइल-ईरान के मध्य जारी लडाई का असर अब भारत में भी होने लगा है। देश में कहीं गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही है तो कहीं पेट्रोल-डीजल की किल्लत सामने आ रही है। ऐसे माहौल में कालाबाजारी भी चांदी काटने में लगे है। ऐसे हालात में इलेक्ट्रिक वाहन किफायती विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहे हैं। खासतौर पर एमजी कामेट ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 7.49 लाख रुपए है। इसकी रनिंग कास्ट इसे और आकर्षक बनाती है। एमजी कामेट ईवी को फुल चार्ज करने में लगभग 18 यूनिट बिजली लगती है। यदि प्रति यूनिट कीमत 8 रुपए मानी जाए, तो कुल खर्च 144 रुपए आता है। कंपनी के अनुसार इसकी रेंज 230 किमी है, जबकि वास्तविक रेंज करीब 200 किमी मानी जाती है। इस हिसाब से प्रति किलोमीटर लागत करीब 72 पैसे पड़ती है। वहीं पेट्रोल कार में औसतन 15 किमी प्रति लीटर माइलेज के आधार पर प्रति किलोमीटर खर्च करीब 6.60 रुपए आता है। यानी हर किलोमीटर पर लगभग 5.88 रुपए की बचत संभव है। अगर कोई व्यक्ति महीने में 2000 किमी और साल में 24,000 किमी ड्राइव करता है, तो वह हर महीने करीब 11,760 रुपए और सालाना लगभग 1.41 लाख रुपए तक बचा सकता है। पांच साल में यह बचत 7 लाख रुपए के आसपास पहुंच सकती है, जिससे कार की लागत भी वसूल हो जाती है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 10.25 इंच की ड्यूल स्क्रीन, स्मार्ट कनेक्टिविटी, नेविगेशन और रियल-टाइम अपडेट जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

रूस ने पेट्रोल निर्यात रोकने का फैसला लिया ; भारत ने कहा- ईंधन भंडार पर्याप्त, चिंता की जरूरत नहीं

नई दिल्ली

वैश्विक अस्थिरता और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच रूस सरकार ने एक अप्रैल से पेट्रोल निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। रूसी उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। नोवाक ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्राथमिकता घरेलू ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखना है। रूसी ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार वर्तमान रिफाइनिंग दरें स्थिर हैं और देश के पास पर्याप्त रिजर्व मौजूद है।

कच्चा तेल और ईंधन का पर्याप्त भंडार सुरक्षित

दूसरी ओर भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और तेल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने मंत्रालयों की संयुक्त समीक्षा में कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष से वैश्विक आपूर्ति और कीमतें प्रभावित हुई हैं, लेकिन भारत के पास अगले दो महीनों के लिए कच्चा तेल और ईंधन का पर्याप्त भंडार सुरक्षित है। रूसी सरकार के मुताबिक निर्यात पर प्रतिबंध का फैसला घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के लिए लिया गया है। पश्चिम एशिया में संकट के बीच भारत में किल्लत की आशंकाओं को लेकर पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दावा किया है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है।

भारत में घरेलू एलपीजी उत्पादन में 20प्रतिशत की वृद्धि

उन्होंने बताया कि भारतीय रिफाइनरियां 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर काम कर रहीं। घरेलू एलपीजी उत्पादन में 20प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सरकार के इन कदमों का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संकट के बावजूद भारतीय बाजार में आपूर्ति निरंतरता और कीमतों में स्थिरता बनाए रखना है।

पश्चिम एशिया तनाव का असर: महंगाई से हांफने लगी पाकिस्तान की जनता, एलपीजी की कीमतों में भारी उछाल; हालात चिंताजनक

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर अब सीधे पाकिस्तान की आम जनता पर दिखने लगा है। देश में एलपीजी की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है, जिससे घरेलू बजट और परिवहन खर्च दोनों पर दबाव बढ़ गया है। एलपीजी सिलिंडर के दाम कितने बढ़े स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स और पाकिस्तान ब्यूरो आफ स्टैटिस्टिक्स के सेंसिटिव प्राइस इंडेक्स के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 11.67 किलोग्राम एलपीजी सिलिंडर की कीमत 3,150-3,968 रुपये से बढ़कर 3,900-5,135 रुपये तक पहुंच गई है। पंजाब के कई शहरों में कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। किस क्षेत्र पर पड़ा रहा असर कीमतों में इस बढ़ोतरी का सीधा असर परिवहन क्षेत्र पर भी पड़ा है। एलपीजी से चलने वाले रिक्शा, बस और मिनीबस के किराए बढ़ गए हैं, जिससे रोजाना यात्रा करने वाले निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। ईरान से आने वाली गैस सप्लाई में हुई गिरावट विशेषज्ञों के अनुसार, इस तेजी के पीछे वैश्विक कारण प्रमुख हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा ईद और नौरोज के दौरान ईरान से आने वाली गैस सप्लाई में भी गिरावट आई है, जो पहले 10,000 से 12,000 टन प्रतिदिन थी। क्या कहते हैं आंकड़े पाकिस्तान की कुल एलपीजी जरूरत लगभग 20 लाख टन सालाना है, जिसमें से करीब 12 लाख टन आयात करना पड़ता है, जबकि 8 लाख टन घरेलू उत्पादन से पूरा होता है। मार्च में तीन जहाजों के जरिए लगभग 20,000 टन एलपीजी की आपूर्ति हुई, लेकिन यह मांग के मुकाबले काफी कम साबित हुई। ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश के पास कच्चे तेल का भंडार केवल 11 दिनों के लिए पर्याप्त है। इसके अलावा डीजल 21 दिन, पेट्रोल 27 दिन, एलपीजी महज 9 दिन और जेट फ्यूल 14 दिन तक ही उपलब्ध है। पाकिस्तान अपनी करीब 70 प्रतिशत पेट्रोलियम जरूरतों के लिए मध्य पूर्व पर निर्भर है। ऐसे में क्षेत्रीय संघर्ष के कारण शिपिंग रूट और सप्लाई चेन प्रभावित होने से संकट और गहरा गया है। ईरान के साथ चल रही बातचीत स्थिति से निपटने के लिए सरकार ईरान के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल आपूर्ति की अनुमति पर बातचीत कर रही है।

रेमंड ग्रुप के फाउंडर विजयपत सिंघानिया नहीं रहे, 87 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

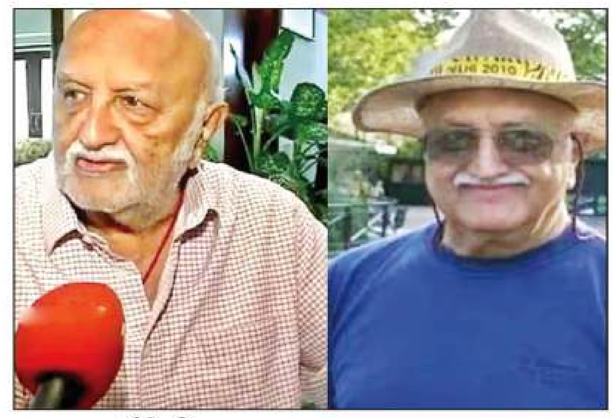

नई दिल्ली

रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर विजयपत सिंघानिया का शनिवार शाम मुंबई में 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। परिवार के अनुसार उन्होंने शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। उनके बेटे गौतम सिंघानिया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस दुखद समाचार की पुष्टि की।

गौतम सिंघानिया ने अपने पिता को एक दूरदर्शी नेता, प्रेरणादायक व्यक्तित्व और समाजसेवी बताते हुए कहा कि उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करती रहेगी। कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार उनका अंतिम संस्कार मुंबई के चंदनवाड़ी श्मशान में किया जाएगा। एलडी रुपारेल मार्ग स्थित हावेली में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। 1938 में जन्मे विजयपत सिंघानिया भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख नामों में शुमार थे। उन्होंने रेमंड ग्रुप का नेतृत्व 1980 से 2000 तक किया और इसे टेक्सटाइल उद्योग में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वे एक साहसी एविएटर भी थे। उन्होंने हाट एयर बैलून से ऊंचाई का विश्व रिकार्ड बनाया और 1988 में लंदन से दिल्ली तक माइक्रोलाइट उड़ान पूरी कर इतिहास रचा। उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने 2006 में पद्म भूषण से सम्मानित किया। साल 2015 में उन्होंने अपनी हिस्सेदारी बेटे को सौंप दी थी, जिसके बाद पारिवारिक विवाद भी चर्चा में रहे। बावजूद इसके उनके योगदान को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

उद्योग जगत में शोक की लहर, दूरदर्शी नेतृत्व और साहसिक उपलब्धियों के लिए हमेशा याद किए जाएंगे

अगले हफ्ते नहीं आएगा कोई नया आईपीओ, खुले हैं दो एसएमई इश्यू

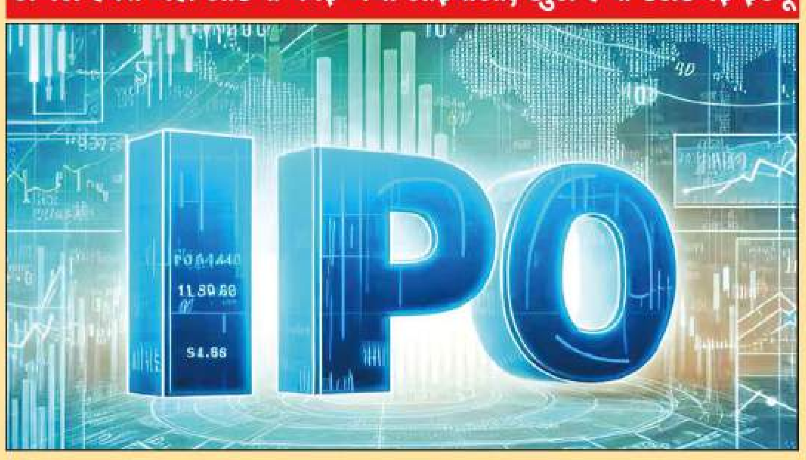

नई दिल्ली। शेयर बाजार में हर हफ्ते नए आईपीओ आने का सिलसिला जारी रहता है, लेकिन अगले हफ्ते निवेशकों को कोई नया इश्यू देखने को नहीं मिलेगा। हालांकि, दो कंपनियों के आईपीओ पहले ही खुल चुके हैं और फिलहाल निवेश के लिए उपलब्ध हैं। ये दोनों ही एसएमई कैटेगरी के इश्यू हैं, जिनमें निवेशकों की दिलचस्पी अभी सीमित नजर आ रही है। पहला आईपीओ विविधि इलेक्ट्रोमेक का है, जो 25 मार्च को खुला था और 30 मार्च को बंद होगा। इस इश्यू का प्राइस बैंड 528 से 555 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। निवेश के लिए न्यूनतम लाट साइज 240 शेयरों का है। अब तक इस आईपीओ को करीब 0.61 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है, जो कि निवेशकों की मध्यम रुचि को दर्शाता है। ग्रे मार्केट में भी इसका प्रदर्शन कमजोर है और जीएमपी फिलहाल शून्य पर बना हुआ है। दूसरा आईपीओ ईमिक टेक्नोलाजी का है, जो 27 मार्च से खुला है और 8 अप्रैल तक निवेश के लिए खुला रहेगा। इस कंपनी ने अपने शेयरों का प्राइस बैंड 93 से 98 रुपये तय किया है। इसका लाट साइज 1200 शेयरों का है। इस आईपीओ को अब तक केवल 0.11 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है, जो काफी कम है। इसका जीएमपी भी शून्य है, जिससे बाजार में उत्साह की कमी साफ झलकती है।

सोने में तेज उतार-चढ़ाव : लंबी अवधि में चमक बरकरार, शार्ट टर्म में दबाव

सेंट्रल बैंकों की रिकार्ड खरीद से सपोर्ट, लेकिन ऊंची ब्याज दरें और बिकवाली से कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच सोने की कीमतों में इन दिनों भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां सेंट्रल बैंक लगातार बड़ी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है।

ताजा विश्लेषण के अनुसार, ग्लोबल गोल्ड रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 30 फीसदी तक पहुंच गई है, जो 1991 के बाद का उच्चतम स्तर है। अनुमान है कि इस साल सेंट्रल बैंक लगभग 800 टन सोने की खरीद कर सकते हैं, जो कुल वार्षिक उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है। यह ट्रेंड लंबे समय में कीमतों को मजबूती देता है। हालांकि, शार्ट टर्म में सोने पर दबाव बना हुआ है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से निवेशक सोने से दूरी बना रहे हैं। इसके अलावा, तुर्की जैसे देशों द्वारा बड़े पैमाने पर सोना बेचना और कमोडिटी ईटीएफएस से भारी निकासी ने भी कीमतों को नीचे खींचा है। हाल ही में सोने में एक सप्ताह में 10 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो कई दशकों में सबसे बड़ी गिरावट में से एक है। विशेषज्ञों के मुताबिक यदि सोना अहम स्तरों के ऊपर टिकता है तो इसमें तेज उछाल आ सकता है और लंबी अवधि में कीमतें 2 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती हैं। वहीं, यदि गिरावट जारी रहती है तो यह 1.17 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक भी आ सकता है।

वीडा स्कूटर ने किया 2 लाख यूनिट्स की बिक्री का आंकडा पार

नई दिल्ली

स्कूटर निर्माता कंपनी हीरो मोटोकार्प का वीडा इलेक्ट्रिक स्कूटर तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह स्कूटर 23 मार्च 2026 तक 2 लाख यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार कर चुका है। कुल 2,02,422 यूनिट्स की बिक्री यह दर्शाती है कि ग्राहकों के बीच इसकी स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। प्रारंभ में इस स्कूटर की बिक्री धीमी रही, लेकिन समय के साथ इसमें तेजी आई है। पहली 1 लाख यूनिट्स तक पहुंचने में ज्यादा समय लगा, जबकि अगली 1 लाख यूनिट्स कम अवधि में ही बिक गई। फिलहाल हर महीने औसतन 12,500 यूनिट्स की बिक्री हो रही है, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती है। कंपनी की बाजार में स्थिति भी समय के साथ मजबूत हुई है। खासतौर पर 2025 में एक साल के भीतर 1 लाख से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री ने इसे इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल कर दिया। इससे इसकी बाजार हिस्सेदारी में भी इजाफा हुआ है। इस सफलता के पीछे कंपनी की नई रणनीतियों और किफायती माडल्स का बड़ा योगदान रहा है। बैटरी को लेकर लचीले विकल्प देने से ग्राहकों की शुरुआती लागत कम हुई, जिससे ज्यादा लोगों ने इस स्कूटर को अपनाया। यह पहल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने में भी सहायक साबित हुई है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद वीडा स्कूटर ने अपनी स्थिति लगातार बेहतर की है। इसकी रैंकिंग में सुधार हुआ है और यह कई स्थापित ब्रांड्स को चुनौती दे रहा है। 2026 की शुरुआत भी कंपनी के लिए सकारात्मक रही है, जहां शुरुआती महीनों में ही बिक्री में अच्छा उछाल देखने को मिला है।

रिनाल्ट इंडिया ने तैयार की फुटुरेडी रणनीति

नई दिल्ली। साल 2026 से 2030 तक के लिए रिनाल्ट इंडिया कंपनी ने फुटुरेडी रणनीति तैयार की है। इस योजना के तहत कंपनी कई नए प्रोडक्ट्स लान्च करने जा रही है, जिनका फोकस खासतौर पर तेजी से बढ़ते एसयूवी सेगमेंट पर होगा। कंपनी आने वाले समय मे तीन नई एसयूवी पेश करेगी, जिनमें रिनाल्ट डस्टर हायब्रिड , रिनाल्ट डस्टर 7-सीटर और रिनाल्ट बोरियल शामिल हैं। इन माडलों के जरिए रेनो अलग-अलग ग्राहक वर्गों को टारगेट करने की तैयारी में है, जिससे उसकी बाजार हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। डस्टर हाइब्रिड को लान्च से पहले ही शानदार प्रतिक्रिया मिली है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 2026 के लिए इसकी सभी यूनिट्स पहले ही बुक हो चुकी हैं, खासकर मेट्रो शहरों में इसकी मांग ज्यादा देखने को मिली है। फिलहाल कंपनी ने इसकी बुकिंग अस्थायी रूप से बंद कर दी है, जिसे लान्च के समय दोबारा खोला जा सकता है। इस एसयूवी में 1.8 लीटर का पेट्रोल इंजन, दो इलेक्ट्रिक मोटर और 1.4 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी जाएगी।

भारतीय रिले टीमों का कमाल, नेशनल्स में रिकार्ड बनाकर वर्ल्ड रिले का टिकट किया पक्का

मुम्बई

पहले इंटरनेशनल इनविटेशनल रिले और तीसरे नेशनल ओपन रिले प्रतियोगिता 2026 में पुरुषों की 4×400 और मिक्स्ड टीम 4×100 रिले स्पर्धाओं में भारत की बी टीम ने रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन किया। दमदार प्रदर्शन के बूते भारतीय रिले टीमों ने इस मई में बोत्सवाना के गैबोरोन में होने वाले वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

प्रतियोगिता में इंडिया बी टीम ने 4×100 मीटर मिक्स्ड रिले में 42.30 सेकंड का समय निकालते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया और नया रिकार्ड भी बनाया। इस प्रदर्शन के साथ टीम ने पहले के 43.44 सेकंड के रिकार्ड को तोड़ दिया। वहीं, भारत ए टीम ने 42.34 सेकंड के समय के साथ सिल्वर मेडल जीता। दोनों टीमों का प्रदर्शन इतना शानदार रहा कि उन्होंने आसानी से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारत ए टीम ने सीनियर मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले में भी दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को हराया और 3:18.90 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। इस दौरान भारतीय एथलीटों ने बैटन एक्सचेंज में बेहतरीन तालमेल दिखाया, जो उनकी जीत का अहम कारण बना। प्रतियोगिता में भारत के अलावा नेपाल, मालदीव, भूटान, और श्रीलंका की टीमों ने भी हिस्सा लिया। भारतीय टीम के खिलाड़ियों में गुरिंदरवीर सिंह और तमिलारासु जैसे धावकों ने शानदार प्रदर्शन किया और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दर्शकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए पूरे आयोजन को जोशपूर्ण बनाया। भारत की 4×100 मिक्स्ड रिले टीम ने 42.30 सेकंड का समय निकालकर नेशनल ओपन रिले 2026 में एक नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया। लालू प्रसाद, उन्नति, हरिता और जयराम की चौकड़ी ने बैटन का आदान-प्रदान बेहद कुशलता से किया और जबरदस्त रफ्तार दिखाते हुए एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

जूनियर वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। तमिलनाडु की अंडर-20 महिला टीम ने 4×100 मीटर रिले में 48.38 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। वहीं, चंडीगढ़ की टीम ने अंडर-20 मिक्स्ड 4×100 मीटर रिले में 45.44 सेकंड के साथ गोल्ड मेडल जीता।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल के पहले ही मैच में क्लासेन को आउट दिये जाने पर वान ने उठाये सवाल

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत के साथ ही विवाद भी शुरु हो गये हैं। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए पहले ही मैच में हेनरिक क्लासेन के एक कैच को लेकर ये विवाद उठा है। क्लासेन के कैच को बाउंड्री पर फिल साल्ट ने पकड़ लिया पर वह इसी दौरान सीमा रेखा के काफी करीब पहुंच गये इससे अंपायर ने क्लासेन को आउट दे लिया और उसी पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने सवाल उठाये हैं। वान ने सोशल मीडिया में लिख, मुझे ऐसा लगा जैसे साल्ट के पैर ने सीमा रेखा को छुआ हो। ऐसे में क्लासेन को संदेह का लाभ मिलना था पर नहीं दिया गया। इससे आरसीबी को लाभ हुआ। अंपायर कैये यह कैसे बता सकते हैं पैर का कोई हिस्सा सीमा रेखा पर नहीं लगा।वान ने कहा कि साल्ट ने शानदार कैच पकड़ा, मगर कैच पकड़ने के दौरान वह बाउंड्री के काफी नजदीक थे।अंपायर ने फैसला तीसरे अंपायर पर छोड़ दिया। रिप्ले में थर्ड अंपायर ने देखा कि साल्ट बाउंड्री लाइन के काफी करीब थे पर यह कहना कठिन था कि उन्होंने सीमा रेखा को नहीं छुआ है पर तीसरे अंपायर ने कहा मुझे सीमा रेखा में कोई हलचल नही दिख रही है। जिस वजह से उन्होंने क्लासेन को आउट दिया।

आईपीएल के शुरुआती मैच में ही बने कई रिकार्ड

बेंगलुरु। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल के पहले ही मैच में एक साथ कई रिकार्ड बने हैं। इस मैच में आरसीबी ने 15.4 ओवर में ही 202 रन बनाकर आईपीएल में सबसे तेजी से 200 रन बनाने का लक्ष्य अपने नाम किया। इससे पहले सबसे तेज 200 रनों का रिकार्ड राजस्थान रायल्स के नाम था जो उसने पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 15.5 ओवर मे 212 रन बनाये थे। वहीं इस मैच मे विराट कोहली ने नाबाद 69 रन बनाये। स प्रकार वह एक स्थल पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान ने 80 रनों की पारी के साथ ही अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किये। विराट ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 बार पचास रन बनाए हैं। वहीं एक ही मैदान पर सबसे ज्यादा अर्धशतक के मामले में इंग्लैंड के जेम्स विंस दूसरे नंबर पर हैं। विंस के नाम द रोज बाउल, साउथैम्प्टन में 27 अर्धशतक का रिकार्ड है। कोहली ने आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 4000 रन बनाने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इसके अलावा वह टी-20 क्रिकेट में 13,572 रन के साथ पाकिस्तान के शोएब मालिक को पीछे छोड़ते हुए छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।वहीं सनराइजर्स ने इस मैच में 201 रन बनाने के साथ ही आरसीबी के खिलाफ खिलाफ सातवी बार 200 से अधिक रन बनये हैं। वही सनराइजर्स के ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं।

दिल्ली कैपिटल्स इस बार खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी, लखनऊ सुपरजायंटस के खिलाफ शुरु करेगी अभियान

मुम्बई। अक्षर पटेल की कप्तानी में इस बार दिल्ली कैपिल्स का लक्ष्य आईपीएल खिताब जीतना रहेगा। दिल्ली अपने अभियान की शुरुआत बुधवार पहली अप्रैल को लखनऊ सुपरजायंटस के खिलाफ मैच से करेगी। कैपिटल्स की टीम ने पिछले सत्र की शुरुआत अच्छी की थी पर बाद में वह अपनी लय खोने के कारण बाहर हो गयी थी। ऐमें में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटक लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शा पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में में भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है।

कम उम्र में अनाथ हुए इसाक मालसावमटलुआंगा ने चोट की चिंता को पीछे छोड़कर जीता के आईटीजी स्वर्ण

रायपुर

मिजोरम के युवा वेटलिफ्टर इसाक मालसावमटलुआंगा 16 साल की उम्र पूरी करने से पहले ही अपने माता-पिता दोनों को खोने के बाद लगभग खेल छोड़ने की कगार पर पहुंच गए थे। इस दोहरी त्रासदी ने इस मिजो किशोर को अंदर तक तोड़ दिया था, लेकिन उनके बचपन के कोच और चाचा-चाची के सहारे ने उनके खेल करियर को संभाल लिया। 18 वर्षीय इसाक ने कड़ा संघर्ष करते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपने परिवार को गर्व महसूस कराया।

पीठ की तकलीफ से जूझते हुए भी इसाक ने क्लीन एंड जर्क में शानदार प्रदर्शन किया। स्नैच में दूसरे स्थान पर रहने के बाद उन्होंने कुल 235 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जीत के तुरंत बाद उनके चाचा ने उन्हें गले लगा लिया, जो इस युवा खिलाड़ी के जीवन में एक मार्गदर्शक की तरह रहे हैं।

इसाक के पिता हेमिंग मालसावमटलुआंगा की 2018 में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, उसी साल उन्होंने वेटलिफ्टिंग की शुरुआत की थी। परिवार के इकलौते बेटे होने के कारण उनके सामने यह सवाल खड़ा हो गया था कि वह खेल जारी रखें या परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के लिए कमाई पर ध्यान दें।

इसाक ने साई मीडिया से बातचीत में बताया, उस समय मेरे बचपन के कोच सोमा ने मुझे बहुत प्रेरित किया और वेटलिफ्टिंग जारी रखने के लिए कहा।

हालांकि, 2024 में हिमाचल प्रदेश में आयोजित यूथ नेशनल चैंपियनशिप में 60 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने के बाद जब उनका प्रदर्शन बेहतर होने लगा, तभी एक और निजी झटका लगा। उनकी मां को कैंसर का पता चला, जिससे परिवार पर भावनात्मक और आर्थिक दबाव बढ़ गया।

इस कठिन समय में उनके चाचा और चाची ने उनका सहारा बना। आइजोल के रामह्लुन वेंगथर इलाके में एक छोटे से रेस्तरां में काम करने वाला यह दंपति इसाक को अपने साथ ले आया और उसकी पढ़ाई और वेटलिफ्टिंग दोनों को बिना रुकावट जारी रखने में मदद की।

लेकिन उसी साल उनकी मां का निधन हो गया, जिसने इस युवा खिलाड़ी को पूरी तरह तोड़ दिया। कुछ समय के लिए वह खेल, जो कभी उसे उम्मीद देता था, उसके लिए बेमानी लगने लगा और अकेलापन व दुख उस पर हावी हो गया।

उन्होंने कहा, अपने माता-पिता दोनों को खोना मुझे अंदर से पूरी तरह तोड़ गया था। मैंने लगभग तय कर लिया था कि वेटलिफ्टिंग छोड़ दूंगा, लेकिन मेरे चाचा और कोच ने एक बार फिर मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

2024 से इसाक इम्फाल स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं और साथ ही आइजोल से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय के जरिए कक्षा 12 की पढ़ाई भी कर रहे हैं।

धीरे-धीरे उनके प्रयास रंग लाने लगे। 2025 में मोदीनगर में आयोजित जूनियर प्रतियोगिता में उन्होंने एक और रजत पदक जीता और बाद में उसी वर्ष राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स से पहले उनकी तैयारियों में भी चुनौतियां कम नहीं थीं। अभ्यास के दौरान उन्हें पीठ में चोट लग गई थी, जिसके चलते उनके कोच ने उन्हें टूर्नामेंट से दूर रहने की सलाह दी थी। लेकिन इसाक ने हार नहीं मानी और रायपुर में मंच पर उतरकर अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

वह कहते हैं, मेरे पिता के निधन के बाद से मेरे चाचा हमेशा प्रतियोगिताओं में मेरे साथ जाते हैं। वह यहां भी मेरे साथ थे। जैसे ही मैंने पदक जीता, उन्होंने मुझे अपनी बाहों में उठा लिया। उस पल मुझे एहसास हुआ कि वह कितने खुश थे।

इसके बाद वह जश्न मनाने के लिए एक बार फिर अपने परिवार के पास लौट गए।

विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने जीता मियामी ओपन 2026 का खिताब, सनशाइन डबल जीतने वाली बनीं पांचवीं खिलाड़ी

मियामी

मियामी ओपन 2026 के फाइनल में विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी कोको गाफ को शनिवार रात 6-2, 4-6, 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।

डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने इस जीत के साथ इतिहास रच दिया और सनशाइन डबल पूरा करने वाली दुनिया की पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गईं। सनशाइन डबल में इंडियन वेल्स ओपन और मियामी ओपन दोनों खिताब लगातार जीतना शामिल होता है।

मैच की बात करें तो सबालेंका ने पहले सेट में 2-0 की बढ़त लेते हुए दबदबा बनाया और आसानी से सेट 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में कड़ी टक्कर देखने को मिली, जहां गाफ ने एकमात्र ब्रेक हासिल कर 6-4 से सेट अपने नाम कर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचाया।

तीसरे सेट में सबालेंका ने फिर से नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने शुरुआती गेम में ही ब्रेक किया और लगातार शानदार सर्विस गेम खेलते हुए 5-3 की बढ़त बनाई। अंत में गाफ की बैकहैंड गलती के साथ सबालेंका ने मैच अपने नाम कर लिया।

पूरे मैच में सबालेंका ने अपने पहले सर्व पर 73 प्रतिशत अंक जीते और उन्हें सिर्फ दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। खास बात यह रही कि वह फाइनल तक बिना एक भी सेट गंवाए पहुंची थीं।

इस उपलब्धि के साथ सबालेंका ने इगा स्वियातेक, विक्टोरिया अजारेंका, किम क्लाइस्टर्स और स्टेफी ग्राफ जैसे दिग्गजों की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया।

इसके अलावा, सबालेंका का इस साल का रिकार्ड अब 23-1 हो गया है। उनकी एकमात्र हार आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में एलेना राइबाकिना के खिलाफ आई थी, जिसका बदला उन्होंने इंडियन वेल्स फाइनल और मियामी सेमीफाइनल में चुका लिया।

मोंटेकार्लो मास्टर्स में नहीं खेलेंगे जोकोविच

मियामी। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि फिट नहीं होने के कारण वह अगले माह होने वाले मोंटेकार्लो मास्टर्स से बाहर रहेंगे। जोकोविच इंडियन वेल्स में हार के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इससे माना जा रहा है कि अब वह फ्रेंच ओपन से ही वापसी करेंगे। जोकोविच दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भी नहीं खेल रहे हैं। वहीं आयोजकों और प्रशंसकों ने उम्मीद जतायी कि वह शीघ्र ही वापसी करेंगे। जोकोविच बीएनपी पारिबास ओपन में अंतिम बार जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हार गये थे। उसके बाद से ही उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। वहीं मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में ही बाहर हो गये थे। मोंटे कार्लो मास्टर्स टूर्नामेंट अगले माह 4 अप्रैल से शुरू 12 अप्रैल तक खेला जाएगा। ये साल 2011 के बाद यह पहली बार होगा जब जोकोविच इससा हिस्सा नहीं होंगे। 38 वर्षीय जोकोविच पिछले कुछ महीनों से कंधे की चोट से जूझ रहे हैं। मोंटे-कार्लो मास्टर्स का प्रायोजन दिग्गज कारोबारी रोलेक्स समूह करता है। ये पुरुष पेशेवर टेनिस खिलाड़ियों के लिए एक टेनिस टूर्नामेंट है जो आउटडोर क्ले कोर्ट पर खेला जाएगा।

ओलंपिक पदक जीतना हर खिलाड़ी का होता है सपना : अनाहत सिंह

मुंबई

भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लास एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

धोनी के बाहर होने से मिल सकता है युवा कार्तिक को अवसर

गुवाहाटी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआती मैचों से बाहर होने के कारण सोमवार को राजस्थान रायल्स के खिलाफ होने पहले मुकाबले में युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को अवसर दे सकती है। धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। ऐसे में वह शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। कार्तिक को सीएसके ने नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा है।

वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक बन गये हैं। सीएसके पिछले सत्र से ही इस खिलाड़ी को खरीदना चाहती थी। इसी कारण उसे हाई परफार्मेंस सेंटर में अभ्यास के लिए भेजा गया। कार्तिक मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के साथ विकेटकीपिंग भी करते हैं। ऐमें में टीम उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना चाहेगी। कार्तिक ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने रणजी ट्राफी के पहले ही मैच में शतक लगाया था और इसके बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे। विजय हजारे ट्राफी 2024-25 में उन्होंने 445 रन बनाए और टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में उन्होंने 11 पारियों में 334 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 162.92 रहा। कार्तिक भी धोनी की तरत मैच फिनिशर बनना चाहते हैं। ऐसे में सीएसके में उन्हें एक बेहतर खिलाड़ी बनने का पूरा अवसर मिलने की संभावना है। फ्रैंचाइजी कार्तिक को आगे बढ़ाकर अधिक से अधिक अवसर देने का प्रयास करेगी। ऐसे में अब देखना होगा कि कार्तिक अपने को साबित करने में कितना सफल रहते हैं।

सीसएसके टीम : रुतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, सरफराज खान / आयुष म्हात्रे, कार्तिक शर्मा, अकील हुसैन, नूर अहमद, मैट हेनरी, खलील अहमद/अंशुल कंबोज।

अब लीवरपूल को छोड़ रहे सालाह

लंदन। स्टार फुटबालर मोहम्मद सालाह लंबे समय के साथ के बाद अब इंग्लैड के लीवरपूल क्लब को छोड़ रहे हैं। सालाह ने कहा कि ये उनका लिवरपूल एफसी के साथ अंतिम सत्र है। वह अगले सत्र में अब किसी नई टीम से खेलेंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा है कि लीवरपूल के साथ उनका समय पूरा हो गया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि अब मेरी विदायी का समय है। मैं क्लब में बिताये समय को हमेशा याद रखूंगा। सालाह का अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का अनुबंध हुआ था, वहीं क्लब की ओर कहा गया है कि उन दोनो के बीच सब कुछ तय हो गया है। इससे अब वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। सालाह ने क्लब की ओर से 34 मैचों में 10 गोल किए हैं। ये साल 2017 में क्लब में आने के बाद से उनके सत्र के सबसे कम गोल हैं। पिछले कुछ समय में मैदान के बाहर की परेशानियों से वह जूझते रहे हैं। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रा के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें बाहर करने का प्रयास किया था। साथ ही कहा था कि मुख्य कोच आर्नेट स्लाट के साथ भी उनके संबंध खराब हो गये थे। था। उनके इसी साल जनवरी में क्लब से बाहर होने की संभावनाएं थीं पर अफ्रीका कप आफ नेशंस में शामिल होने के बाद उनको टीम में जगह मिल गयी। अब देखना होगा कि वह अगला सत्र किस टीम से खेलते हैं।

दुनिया में हर साल 300 मिलियन टन से ज्यादा प्लास्टिक तैयार हो रहा है। हमारे जीवन में घुसपैठ कर चुके प्लास्टिक का एक खतरनाक पहलू यह है कि इससे तैयार कोई भी उत्पाद पूरी तरह से नष्ट नहीं होता। प्लास्टिक को किसी भी तरीके से नष्ट या खत्म करने अथवा कहीं डंप करने के बावजूद उसका घातक असर पर्यावरण में मौजूद रहता है। प्लास्टिक कचरे को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए वैज्ञानिक पिछले कुछ दशकों से गंभीर प्रयासों में जुटे हैं और हाल ही में उन्हें इस दिशा में बड़ी सफलताएं भी मिली हैं।

प्लास्टिक को खत्म करने की जुगत...

प्लास्टिक कचरा गलियों-सड़कों-खेतों से लेकर नदियों और समुद्रों तक में यह प्रवाहित हो रहा है। आप धरती के किसी भी कोने में चले जाएं प्लास्टिक कचरा जरूर दिखेगा। समुद्रों में जिस तरह से प्लास्टिक कचरा बढ़ता जा रहा है, उसे देखते हुए यह आशंका प्रबल हो रही है कि वर्ष 2050 तक समुद्र में यह इतना ज्यादा बढ़ जाएगा कि मछलियों से ज्यादा तादाद में प्लास्टिक कचरा मौजूद होगा। इससे निबटने के लिए वैज्ञानिक पिछले कुछ दशकों से गंभीर प्रयासों में जुटे हैं और हाल ही में इस दिशा में एक बड़ी कामयाबी मिली है। क्योटो यूनिवर्सिटी की रिसर्च टीम एक बार कचरे के ढेरों में कुछ उम्मीदें तलाश रही थी। उन्होंने प्लास्टिक को कुतरनेवाले कुछ माइक्रोब देखे। करीब 250 सैंपल्स पर पांच वर्षों तक शोध करने के बाद उन्होंने कुछ बैक्टीरिया को अलग किया, जो पीईटी यानी पॉली-इथिलीन टेरेफ्थलेट में जीवित रह सकते हैं। दरअसल, 'पीईटी' एक कॉमन प्लास्टिक है, जिसका इस्तेमाल बोतलों और अनेक सिंथेटिक कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। प्लास्टिक खानेवाले माइक्रोब्स का धरती पर अस्तित्व कई वर्षों पहले ही खोज लिया गया था। लेकिन, हालिया खोजी गई चीजों में कुछ महत्वपूर्ण फर्क पाये गये हैं। जैसे एक शोध में यह साबित हुआ है कि इस कार्य के लिए उपयोगी माइक्रोब्स को आसानी से पैदा किया जा सकता है।

एंजाइम की भी पहचान

वैज्ञानिकों ने 'आइडियोनेला सेकेनसिस' नामक यह एंजाइम की भी पहचान की है जो 'पीइटी' को नष्ट करने में सक्षम पाया गया है। सभी जीवित चीजों में एंजाइम्स होते हैं, जिनका इस्तेमाल जरूरी केमिकल रिएक्शंस को गति देना होता है। कुछ एंजाइम्स हमारे भोजन को पचाने में मदद करते हैं। इन जरूरी एंजाइम्स के बिना शरीर कुछ खास प्रकार के भोजन से पोषक चीजें नहीं हासिल कर सकता है। उदाहरण के तौर पर लैक्टोज नहीं पचा पाने वाले लोगों में एंजाइम नहीं होते, जो डेयरी उत्पादों में पाये जोने वाले लैक्टोज शुगर को तोड़ते हैं। कोई भी इन्सान सेल्यूलोज नहीं पचा सकता, जबकि माइक्रोब्स ऐसा कर सकते हैं। 'आइडियोनेला सेकेनसिस' में कुछ ऐसे सक्षम एंजाइम पाये गये हैं, जिन्हें बैक्टीरिया पर्यावरण में पैदा करते हैं। क्योटो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बैक्टीरिया के डीएनए में जीन की पहचान की है, जो पीईटी को पचानेवाले एंजाइम के लिए उत्तरदायी होते हैं। इस प्रकार वे ज्यादा से ज्यादा एंजाइम बनाने में सक्षम पाये गये हैं और ये दर्शाते हैं कि महज ये एंजाइम ही इन पीईटी को पूरी तरह से नष्ट कर सकते हैं।

वास्तविक रिसाइकलिंग

इस शोध ने प्लास्टिक रिसाइकलिंग और परिशोधन का एक नया नजरिया दिया है। मौजूदा समय में अधिकांश प्लास्टिक बोतलों को वास्तविकता में रिसाइकिल नहीं किया जाता है। इन्हें पिघला कर और कुछ सुधार करके प्लास्टिक के कठोर उत्पाद बनाये जाते हैं। लेकिन पैकेजिंग कंपनियां ज्यादातर फ्रेश प्लास्टिक का इस्तेमाल करती हैं, जिन्हें पेट्रोलियम पदार्थों से हासिल होनेवाले रसायनों से बनाया जाता है। पीईटी-डाइजेस्टिंग एंजाइम्स ने ही प्लास्टिक के रिसाइकल की वास्तविक राह तैयार की है। कूड़े-कचरे के साथ मिला कर इनके जरिये सभी प्रकार के प्लास्टिक बोतलों और अन्य आइटम्स को वास्तविक रूप से खत्म किया जा सकता है। इस प्रकार इन घातक रसायनों से आसानी से निबटा जा सकता है। साथ ही वास्तविक रिसाइकलिंग सिस्टम के जरिये फ्रेश प्लास्टिक बनाया जा सकता है।

प्लास्टिक खाने वाले वर्म्स

वैज्ञानिकों ने पशुओं की आंत में पाये जानेवाले एक ऐसे बैक्टीरिया की भी पहचान की है, जिसे प्लास्टिक को जैविक तरीके से खत्म करने में कामयाब पाया गया है । इससे पर्यावरण को प्लास्टिक के घातक असर से बचाया जा सकेगा। अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और चीन की बेहांग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कुछ ऐसे मीलवर्म की तलाश की है, जो अनेक प्रकार के पॉलिस्टिरीन और स्टाइरोफोम को खाने और उसे पचाने में सक्षम पाये गये हैं। इन वर्म्स की आंत में प्लास्टिक जैविक तरीके से पच जाता है और इसका पूरी तरह से अपघटन हो जाता है। इस शोध से प्लास्टिक से पैदा होने वाली वैश्विक समस्याओं को खत्म करने को एक नयी दिशा मिलने की उम्मीद जगी है।

पानी में घुलने वाला प्लास्टिक

इटली की एक कंपनी ऐसा प्लास्टिक बना रही है, जो पानी में घुल सकता है। यह कंपनी चुकंदर से निकलने वाले कचरे से प्लास्टिक बनाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि चुकंदर के उत्पादन से निकलने वाले बाइ-प्रोडक्ट से बनने वाला प्लास्टिक पर्यावरण के लिए कोई खतरा नहीं बनेगा। इसके अलावा पेट्रोलियम पदार्थों से बनने वाले प्लास्टिक पर निर्भरता को कम करने में कामयाबी मिल सकती है। इटली की एक छोटी कंपनी 'बायो ऑन' जैव प्लास्टिक के क्षेत्र में नवीनतम प्रयास का प्रतिनिधित्व कर रही है। इटली के शहर मिनेर्बियो में सबसे बड़ी चीनी उत्पादक कंपनी 'को प्रो बी' चुकंदन से चीनी बनाती है। चुकंदर से चीनी बनने के बाद यह कंपनी कचरे के तौर पर जिन चीजों को फेंक देती है, 'बायो ऑन' उसी से प्लास्टिक का निर्माण करती है।

बैक्टीरिया कुतरेंगे बोतल

वैज्ञानिकों ने ऐसे बैक्टीरिया तैयार किये हैं, जो प्लास्टिक कचरे को खत्म करेंगे। शुरू में इन्हें रिसाइकलिंग सेंटर में कचरे के ढेरों में डाला जाएगा, जहां ये डंप किये गये प्लास्टिक बोतलों को कुतरने का काम करेंगे। हाल ही में इसका परीक्षण किया गया है और विकसित किये गये बैक्टीरिया को इस कार्य के लिए उपयुक्त पाया गया है। दरअसल, प्लास्टिक को मुख्य रूप से पेट्रोलियम पदार्थों से निकलने वाले कृत्रिम रेंजिन से बनाया जाता है। रेंजिन में अमोनिया और बेंजीन को मिला कर प्लास्टिक के मोनोमर बनाये जाते हैं। इसमें क्लोरीन, फ्लोरिन, कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, ऑक्सीजन और सल्फर के अणु होते हैं। लंबे समय तक अपघटित न होने के अलावा प्लास्टिक अनेक अन्य प्रभाव छोड़ता है, जो इनसान की सेहत के लिए हानिकारक हैं।

अब पैसों से खरीदें खुशी...

पैसा जो काम की सारी चीजें दिला सकता है, लेकिन एक चीज नहीं दिला सकता, वो है खुशी। ऐसा बड़े बुजुर्गों का मानना था। लेकिन एक नए शोध ने इस कहावत को झुठला दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पैसे के सही इस्तेमाल से आप खुशियां भी खरीद सकते हैं। शोध में कहा गया है कि अगर आप अपने व्यक्तित्व के अनुसार पैसा खर्च करते हैं, तो इससे आपको वास्तव में खुशी का अहसास होगा। साथ ही अपनी जरूरतों के मुताबिक खर्च करने से आपकी जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। ब्रिटेन स्थित कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शोध में पता चला है कि पैसा और संपूर्ण व्यक्तित्व के बीच हमेशा से ही कमजोर संबंध रहा है। शोध वास्तविक लेन-देन के आंकड़ों को खंगालते हुए इस तथ्य की नई जमीन तैयार करता है कि खर्च हमारी खुशी को बढ़ा सकता है। बशर्ते इसका इस्तेमाल सही वस्तुओं और सेवाओं पर किया जाए जो हमारे व्यक्तित्व के लिए उपयुक्त होने के साथ ही हमारी मनोवैज्ञानिक जरूरतों को भी पूरा करती हों।

तनाव कम करने में मददगार है चॉकलेट खाना

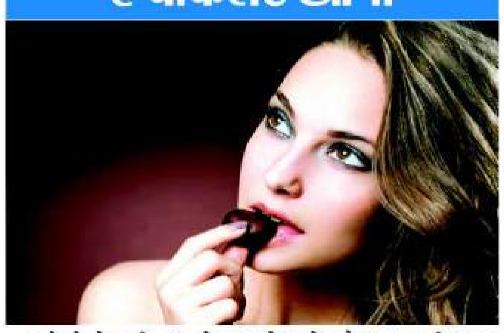

कोको से बनी चॉकलेट अपने गुणों और स्वाद की वजह से लगभग 100 सालों से ही टेस्टी ड्रिंक्स और चॉकलेट बार के रूप में फेमस रही है। चॉकलेट प्रेमी जानते हैं कि चॉकलेट मूड अच्छा रखने के साथ ही तनाव भी दूर करती है। इसके अलावा इसे खाने के और क्या-क्या फायदे हो सकते हैं इनके बारे में जानेंगे...।

दिल के लिए लाभदायक

साल 2010 में हुए एक सर्वे से पता चला है कि यह हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है, इसलिए चॉकलेट खाने से दिल की बीमारियों के होने की संभावना काफी कम हो जाती है। वहीं यूरोपीय सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी द्वारा किए गए शोध में पाया गया है कि ज्यादा मात्रा में चॉकलेट खाने से दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है। मूड अच्छा बनाए चॉकलेटऑस्ट्रेलियाई रिसर्चर्स द्वारा साल 2015 में किए गए स्टडीज के अनुसार, कोको का इस्तेमाल हेल्दी लोगों में शांति और संतोष बढ़ाता है। इसके अलावा यह मेंटल परफॉर्मेंस को बेहतर कर थकान कम करने में मदद करता है।

ज्यादा ठंडा पानी न पीएं...

गर्मी के मौसम का सबसे ज्यादा प्रभाव शरीर पर पड़ता है और हम इसे ठंडा रखने के लिए कई उपाय भी करते हैं. ठंडा पानी पीना सबसे सरल उपाय होता है लेकिन क्या आप जानते हैं आपकी यह आदत आपके दिल को नुकसान पहुंचा सकती है। ठंडा पानी भोजन की पाचन प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करता है क्योंकि इससे रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं। इससे पाचन की प्रक्रिया धीमी पड़ने से खाना ठीक से नहीं पचता और हमें इसके पोषक तत्व भी नहीं मिल पाते। बर्फ का पानी या तेज ठंडा पानी पीने से हृदय की गति कम हो जाती है। ठंडा पानी वेगस तंत्रिका को उत्तेजित करता है। वेगस तंत्रिका 10वीं कपाल तंत्रिका है और यह शरीर के स्वायत्त तंत्रिका प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो शरीर के अनैच्छिक कार्यों को नियंत्रित करती है। वेगस तंत्रिका हृदय की गति को कम करने में मध्यस्थता करती है और ठंडा पानी इस तंत्रिका को उत्तेजित करता है जिसके कारण हृदय की गति कम हो जाती है।

मिलावटी दूध से कैसे बचें...?

देश के तीन में से दो लोग डिटर्जेंट, कॉस्टिक सोडा, यूरिया और पेंट वाल दूध पीते हैं। देश में बिकने वाला 68 प्रतिशत दूध देश की खाद्य उत्पाद नियंत्रक संस्था एफएसएसएआई के मापदंडों पर खरा नहीं उतरता।

देश के 200,000 गांव से दूध एकत्रित करके बेचा जाता है। मिलावटी दूध से बचने का सबसे सटीक तरीका दूध उबालना है, जिससे सभी बैक्टीरिया मर जाते हैं। पिछले साल अमेरिका सरकार की एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2016 में बढ़ती आबादी के अनुपात में दूध की खपत में 5 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ यह 62.75 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। मिलावटी दूध का शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है। यूरिया, कॉस्टिक सोडा और इसमें मौजूद फोरमेलिन से गैस्ट्रोएंट्रटिटिस से लेकर इम्पेयरमेंट, दिल के रोग, कैंसर और मौत तक हो सकती है।

पानी की मिलावट

डिटर्जेंट से पाचन तंत्र की गड़बडियां और फूड पॉयजनिंग हो सकती है। उच्च एल्केलाइन से शरीर के तंतु क्षतिग्रस्त और प्रोटीन नष्ट हो सकते हैं। इन खतरों को देखते हुए बचाव जरूरी है। एफएसएसएआई के ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक, दूध में पानी की मिलावट सबसे ज्यादा होती है, जिससे इसकी पौष्टिकता कम हो जाती है। अगर पानी में कीटनाशक और भारी धातुएं मौजूद हों तो ये सेहत के लिए खतरा है। दूध को उबालना इसका हल है।

इसके साथ ही 46 प्रतिशत सैंपल लो सॉलिड नॉट फैट की श्रेणी के पाए गए, जिसकी मुख्य वजह पानी की मिलावट है। गरमी के मौसम में दूध की मात्रा बढ़ाने के लिए प्रयोग किए जाते स्किमड मिल्क पाउडर के 548 नमूनों में से 477 नमूनों में ग्लूकोज पाया गया। दूध के रख-रखाव और पैकेजिंग के समय साफ-सफाई का ध्यान न रखे जाने की बजह से आस पास प्रयोग हुआ डिटर्जेंट दूध में चला जाता है। कई बार यह जान बूझ कर डाला जाता है। 8 प्रतिशत नमूनों में डिटर्जेंट पाया गया।

इस तरह करें जांच

- **पानी**: ढलान वाली सतह पर दूध की एक बूंद डालें। शुद्ध दूध की बूंद धीरे-धीरे सफेद लकीर छोड़ते हुए जाएगी, जबकि पानी की मिलवाट वाली बूंद बिना कोई निशान छोड़े बह जाएगी।
- **स्टार्च**: लोडीन का टिंक्चर और लोडीन सॉल्यूशन में कुछ बूंदे डालें, अगर वह नीली हो जाएं तो समझे कि वह स्टार्च है।
- **यूरिया**: एक चम्मच दूध को टेस्ट ट्यूब में डालें। उसमें आधा चम्मच सोयाबीन या अरहर का पाउडर डालें। अच्छी तरह से मिला लें। पांच मिनट बाद, एक लाल लिटमस पेपर डालें, आधे मिनट बाद अगर रंग लाल से नीला हो जाए तो दूध में यूरिया है।
- **डिटर्जेंट**: 5 से 10 एमएल दूध को उतने ही पानी में मिला कर हिलाएं। अगर झाग बनता है तो इसमें समझिए डिटर्जेंट है।
- **सिन्थेटिक दूध**: सिन्थेटिक दूध का स्वाद कड़वा होता है, उंगलियों के बीच रगड़ने से साबुन जैसा लगता है और गर्म करने पर पीला हो जाता है। सिन्थेटिक दूध में प्रोटीन की मात्रा है या नही, इसकी जांच दवा की दुकान पर मिलने वाली यूरीज स्ट्रिप से की जा सकती है। इसके साथ मिली रंगों की सूची दूध में यूरिया की मात्रा बता देगी।

फिल्मों में तकनीक का ओवरडोज...

63वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा हो चुकी है। हॉलीवुड की तरह अब बॉलीवुड की फिल्मों में भी तकनीक का कमाल देखा जा सकता है। किसी फिल्म में यह वाकई कमाल लगता है तो कहीं-कहीं ओवरडोज भी महसूस होता है। कहानी की मांग के बिना जबरन ठूंसा गया यह ओवरडोज फिल्म को फ्लॉप भी करा देता है। इस बारे में पिछले कई साल से फिल्म टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रहे तन्मय मसूरकर कहते हैं कि हम फिल्म टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में निरंतर कुछ नया करने की कोशिश कर रहे हैं। अब यह तो फिल्मकारों की जिम्मेदारी है कि वे उसका कितना सटीक उपयोग करते हैं। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि फिल्म निर्माण में साउंड से लेकर स्पेशल इफेक्ट्स तक हर टेक्नोलॉजी एक सही सब्जेक्ट की मांग करती है। फिल्म के सब्जेक्ट में बेवजह इसका इस्तेमाल करने का कोई मतलब नहीं है।

सब्जेक्ट की मांग: बात वाजिब है। इसके लिए हॉलीवुड फिल्मों का अच्छा उदाहरण दिया जा सकता है। वहां ज्यादातर फिल्में ही ऐसी बनती हैं, जिसमें टेक्नोलॉजी के उपयोग की पूरी संभावना रहती है। और जहां सब्जेक्ट इस बात की डिमांड नहीं करता, वहां के फिल्मकार इस बात से साफ बचते हैं। इसके लिए टाइटैनिक का एक उदाहरण देना ही काफी होगा। इस तीन घंटे से ज्यादा लंबी रोमांटिक फिल्म के सब्जेक्ट में रोमांस इस कदर भरा हुआ है कि इसमें फिल्म टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल सिर्फइसके कैनवस को विस्तृत रंग देता है। भारतीय फिल्मकारों को भी इसी तरह से सोचना चाहिए। बाहुबली में इसका उपयोग दर्शनीय लगता है। पर पीकू में ऐसी कोई टेक्नोलॉजी सिर्फ निरर्थक होगी। क्योंकि पीकू एक सब्जेक्ट बेस्ड फिल्म है।

तकनीक एक हथियार: संजय लीला भंसाली की फिल्म बाजीराव मस्तानी भी ऐसी फिल्म है, जिसमें वीएफएक्स सहित दूसरी तकनीक का काफी इस्तेमाल किया गया। भंसाली टेक्नोलॉजी के हिमायती हैं। वे कहते हैं कि फिल्म मेकिंग में टेक्नोलॉजी के बढ़ते महत्व से मैं भी इंकार नहीं करता हूं। मगर यह फिल्म के हर सीन की जरूरत के मुताबिक होना चाहिए। बाजीराव मस्तानी के युद्ध दृश्यों में मैंने टेक्नोलॉजी का खुलकर उपयोग किया। पर इसका यह मतलब नहीं है कि लड़ाई के सीन को हमने सिर्फ वीएफएक्स स्टुडियो में फिल्माया है। इसके वॉर सीन की हमने एक महीने तक शूटिंग की थी। क्योंकि मेरा यह मानना है कि टेक्नोलॉजी सिर्फ फिल्म के सुंदर फिल्माकंन के लिए जरूरी है। वरना फिल्म तो डायरेक्टर का मीडियम होती है। टेक्नोलॉजी तो महज उसके काम का एक हथियार है। स्पेशल इफेक्ट्स तकनीक की मदद से इसके सारे फ्रेम को और ज्यादा भव्य बनाया गया।

पुरानी फिल्में हैं उदाहरण: आज ज्यादातर फिल्मों में ही तकनीक का कमाल देखने को मिल जाता है। हां, छोटे बजट की फिल्में इस तकनीक से थोड़ा बचती हैं, क्योंकि वीएफएक्स और दूसरी तकनीक का इस्तेमाल खर्चीला है। देखा जाये तो फिल्मों के जन्म के साथ ही फिल्म तकनीक को बढ़ावा मिलने लगा था। कभी महबूब खान, के.आसिफ, वी.शांताराम, राज कपूर आदि दिग्गज फिल्मकारों की नजर फिल्म के तकनीकी पक्ष पर भी होती थी। एक बार झनक-झनक पायल बाजे की शूटिंग से पहले वी.शांताराम के छायाकार जी.बालकृष्ण ने एक खास तरह के लेंस का हवाला देते हुए उनसे कहा था कि यदि यह मिल जाए तो अगली फिल्म की शूटिंग में बहुत सुविधा हो जाएगी। वी.शांताराम यानी अण्णा के जेहन में यह बात बैठ गई। उन दिनों वह लंदन जाने वाले थे। लौटते वक्त वह उस लेंस को अपने साथ ले आए थे।

बड़जात्या नहीं लेते सहारा

वर्तमान में ग्लोबल हो चुके फिल्मोद्योग ने समय के साथ ताल मिलाकर तकनीक के हर बदलाव को बखूबी अंजाम देना सीख लिया है। लेकिन फिल्मकार सूरज बड़जात्या तकनीक के ज्यादा गुलाम नहीं हैं। हालांकि उनकी फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में उन्होंने न चाहते हुए भी इस तकनीक का उपयोग किया है। इस फिल्म के छायाकार वी. मानिकनंदन इससे पहले रा-वन, ओम शांति ओम, मैं हूं ना, ये जवानी है दीवानी जैसी कई बड़ी फिल्मों का छायांकन कर चुके हैं। मानिकनंदन के मुताबिक सूरज उन निर्देशकों से भिन्न हैं जो अपने दृश्यों को संभालने के लिए तकनीक का सहारा लेते हैं। वे कहते हैं कि हम भारतीय छायाकार विदेशी तकनीशियनों से किसी भी मामले में कमतर नहीं हैं। सबसे आश्चर्यजनक बात तो यह है कि ये सारा कमाल हम बहुत सीमित साधन में कर दिखाते हैं।'

कैसी-कैसी तकनीक

डीआई तो सिर्फ एक तकनीक का नाम हुआ। वरना आज फिल्म की शूटिंग के दौरान चिप, वीएफएक्स, क्रोमा, एनीमेशन, थ्रीडी, ऑन लाइन एडिटिंग या स्मोक आदि ढेरों तकनीकी शब्दों को सुनना बेहद रूटीन सा हो गया है। मजेदार बात तो यह है कि ऐसी ढेरों तकनीक ने एक्शन से लेकर म्यूजिक रिकॉर्डिंग तक हर जगह अपनी जगह बना ली है। आज इस तकनीक की मदद से फिल्मों की भव्यता को एक बुलंदी दी जा रही है। स्पेशल इफेक्ट्स के सारे साधन स्टुडियो में उपलब्ध होते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**